RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

# लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 158 ● भिलाई, शनिवार 27 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

## संक्षिप्त समाचार

### मंत्री के निजी सचिव के घर छापे में मिले 14 करोड़ कैश

**बेंगलुरु।** कर्नाटक की राजनीति में आज उस वक्त हड़कंप मच गया, जब राज्य सरकार में मंत्री जमीर अहमद खान के निजी सचिव सरफराज खान के ठिकानों पर लोकायुक्त ने जोरदार दबिश दी। आय से अधिक संपत्ति मामले में की गई इस छापेमारी में लोकायुक्त की टीम को नोटों का पहाड़ मिला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अधिकारियों ने सरफराज खान के घर और दफ्तर से करीब 14 करोड़ रुपये की भारी-भरकम नकदी बरामद की है। इस बड़ी कार्रवाई के बाद बेंगलुरु के लोकायुक्त पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच तेज कर दी गई है। यह कार्रवाई सियासी तौर पर भी काफी संवेदनशील मानी जा रही है, क्योंकि मंत्री जमीर अहमद खान को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का बेहद करीबी और भरोसेमंद सहयोगी माना जाता है। लोकायुक्त अधिकारियों ने बताया कि आज सुबह एक साथ सरफराज खान से जुड़े कई परिसरों पर तलाशी अभियान शुरू किया गया।

### कोहरे के कारण इंडिगो ने जारी की यात्रा सलाह

**नई दिल्ली।** सर्दियों के मौसम में बढ़ते कोहरे ने एक बार फिर उड़ान सेवाओं पर असर डालना शुरू कर दिया है। देश की प्रमुख एयरलाइन 'इंडिगो' ने एक महत्वपूर्ण यात्रा सलाह (ट्रैवल एडवाइजरी) जारी की है। 'इंडिगो' ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट करके बताया कि गुरुवार शाम के बाद में वाराणसी, चंडीगढ़ और देहरादून में घना कोहरा छाने की संभावना है, जिससे इन शहरों के एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन प्रभावित हो सकते हैं। इंडिगो ने स्पष्ट किया कि एयरपोर्ट पर यात्रियों के इंतजार के समय को कम करने और सुरक्षित ऑपरेशन सुनिश्चित करने के लिए कुछ शेड्यूल फ्लाइट्स को पहले ही कैंसिल कर दिया गया है। कंपनी ने कहा, हम समझते हैं कि इससे आपकी यात्रा योजनाओं पर असर पड़ सकता है और हम आपकी समझदारी की सराहना करते हैं। एयरलाइन की टीमें मौसम की स्थिति पर लगातार नजर रख रही हैं और सभी टचपॉइंट्स (एयरपोर्ट काउंटर, कॉल सेंटर, ऐप) पर यात्रियों की मदद के लिए पूरी तरह उपलब्ध हैं।

वीर बाल दिवस पर बोले पीएम मोदी

# साहिबजादों ने धार्मिक कट्टरता आतंकवाद को जड़ से मिटाया

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीर बाल दिवस के मौके पर नई दिल्ली में स्थित भारत मंडपम में बच्चों को संबोधित किया। भारत मंडपम में हुए आयोजन से पहले प्रधानमंत्री ने इस वर्ष वीरता पुरस्कार से सम्मानित बच्चों के साथ संवाद भी किया। बच्चों के साथ मुलाकात करने की वीडियो भी सामने आया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'आज देश वीर बाल दिवस मना रहा है। अभी वंदे मातरम की सुंदर प्रस्तुति हुई। आज हम उन वीर साहिबजादों को याद कर रहे हैं, जो भारत का गौरव हैं।' उन्होंने कहा, 'वीर साहिबजादे भारत के अदम्य साहस, शौर्य, वीरता की पराकाष्ठा हैं। वीर साहिबजादों ने उम्र और अवस्था की सीमाओं को तोड़ दिया। वे क्रूर मुगल सल्तनत के सामने चट्टान की तरह खड़े हो गए। इससे मजहबी कट्टरता और आतंक का वजूद ही हिल गया।' उन्होंने कहा, 'वीर साहिबजादों को छोटी सी उम्र में उस समय की सबसे बड़ी सत्ता से टकराना पड़ा। वो लड़ाई भारत के मूल विचारों और मजहबी कट्टरता के बीच थी। वो लड़ाई सत्य बनाम असत्य के बीच थी। उस लड़ाई की एक ओर गुरु गोविंद सिंह जी थे, दूसरी ओर क्रूर औरंगजेब की हुकूमत थी।' उन्होंने कहा कि हमारे साहिबजादे उस समय छोटे ही थे, लेकिन औरंगजेब की क्रूरता को इससे फर्क नहीं पड़ा। वो जानता था कि उसे अगर भारत के लोगों को डराकर उनका



धर्मांतरण कराना है तो इसके लिए उसे हिंदुस्तानियों का मनोबल तोड़ना होगा। इसलिए उसने साहिबजादों को निशाना बनाया। पीएम मोदी ने कहा कि भले ही पूरी मुगलिया बादशाहत उनके पीछे लग गई, लेकिन चारों साहिबजादों में से एक को भी डिगा नहीं पाई। साहिबजादा अजीत सिंह जी के शब्द आज भी उनके हौसले की कहानी कहते हैं। अजीत सिंह जी ने कहा था कि नाम का अजीत हूं, जीता न जाऊंगा, जीता भी गया तो जीता न आऊंगा। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ही हमने गुरु तेगबहादुर को उनके 350वें बलिदान दिवस पर याद किया था। जिन साहिबजादों के पास गुरु तेगबहादुर जी के बलिदान की प्रेरणा हो, वो मुगल अत्याचारों से डर जाएंगे, ये सोचना ही गलत था। साहिबजादों के बलिदान की गाथा देश में जन-जन की जुबान पर होनी चाहिए थी। दुर्भाग्य से आजादी के बाद भी देश में गुलामी की मानसिकता हावी रही। इस गुलामी का बीज अंग्रेज राजनेता मैकाले ने 1835 में बोया था। उस मानसिकता से देश को आजादी के बाद भी मुक्त होने नहीं दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि आजादी के बाद भी देश में ऐसी सच्चाईयों को दबाने की कोशिश की गई। अब भारत ने तय किया है कि गुलामी की मानसिकता से मुक्ति पानी ही होगी। अब हम भारतियों के बलिदान और शौर्य की स्मृतियां दबेंगी नहीं।

### जेन-जी और जेन अल्फा ही विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जाएंगे

पीएम मोदी ने जेन-जी और जेन-अल्फा को संबोधित करते हुए कहा, 'आपकी जेनरेशन ही भारत को विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जाएगी। मैं जेन-ं की योग्यता, आपका आत्मविश्वास देखता हूं, समझता हूं और इसलिए आप पर बहुत भरोसा करता हूं।' उन्होंने कहा, 'पहले युवा सपने देखने से भी डरते थे, क्योंकि पुरानी व्यवस्थाओं में ये माहौल बन गया था कि कुछ अच्छा हो ही नहीं सकता। चारों ओर निराशा का वातावरण था। लेकिन आज देश प्रतिभा को खोजता है, उन्हें मंच देता है।' उन्होंने कहा, 'डिजिटल इंडिया की सफलता के कारण आपके पास इंटरनेट की ताकत है, आपके पास सीखने का संसाधन है। जो साइंस, टेक या स्टार्टअप्स में आगे जाना चाहते हैं तो उनके लिए स्टार्टअप इंडिया मिशन है।

अदालतों का बोझ होगा कम? सीजेआई सूर्यकांत बोले

# केवल तारीख और सुनवाई नहीं समाधान का केंद्र बनें कोर्ट......

नई दिल्ली/ एजेंसी

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत ने कहा है कि मध्यस्थता कानून के कमजोर होने का नहीं बल्कि इसके बेहद विकासित होने का संकेत है। सीजेआई शुक्रवार को दक्षिण गोवा के सांकोले गांव में भारतीय अंतरराष्ट्रीय विधि शिक्षा एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सम्मेलन MediationÑ How significant in the present-day conte&t को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम के दौरान सीजेआई ने कहा कि मध्यस्थता कानून के कमजोर होने का नहीं बल्कि इसके बेहद विकासित होने



का संकेत है। यह न्यायिक निर्णय की संस्कृति से सहभागिता की संस्कृति की ओर बढ़ने की प्रक्रिया है, जहां हम सद्भाव को बढ़ावा देते हैं। सीजेआई ने कहा कि वह एक ऐसी अदालत की कल्पना करते हैं जहां न्यायालय केवल मुकदमे की सुनवाई की जगह न हो बल्कि विवादों को हल करने का व्यापक केंद्र हो। इससे पहले सीजेआई ने पणजी में कला अकादमी के पास 'मध्यस्थता जागरुकता' के लिए एक प्रतीकात्मक पदयात्रा में भाग लिया। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता को विवादों के निपटारे में एक सफल, किफायती और दोनों पक्षों के लिए लाभकारी उपाय के रूप में तेजी से स्वीकार किया जा रहा है। चीफ जस्टिस ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में लंबे समय से लंबित और दोहराए जाने वाले मुद्दों वाले मामलों का निर्णायक निपटारा कर नीचे की अदालतों पर दबाव कम करने की दिशा में सक्रिय प्रयास किए जा रहे हैं।

### बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों पर तृणमूल का केंद्र पर तीखा हमला

**कोलकाता।** तृणमूल कांग्रेस ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी का आरोप है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पड़ोसी देश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रही हिंसा के खिलाफ अब तक खुलकर आवाज नहीं उठाई है। साथ ही तृणमूल ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल बांग्लादेश के पीड़ित हिंदू समुदाय के साथ मजबूती से खड़ी है। राज्य की मंत्री शशि पांजा ने गुरुवार को कोलकाता में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भारतीय जनता पार्टी यह झूठा नैरेटिव गढ़ने की कोशिश कर रही है कि तृणमूल कांग्रेस बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ नहीं बोल रही।

क्या है इन रक्षा सौदों में खास

# रक्षा मंत्रालय से प्रमुख स्वदेशी परियोजनाओं को मंजूरी- सिंह

नई दिल्ली/ एजेंसी

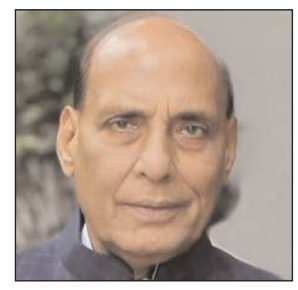

रक्षा मंत्रालय की सर्वोच्च खरीद संस्था, रक्षा अधिग्रहण परिषद यानी डीएसी की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, भारतीय रक्षा बलों के लिए प्रमुख स्वदेशी परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए यह बैठक हुई। इन परियोजनाओं में दिल्ली एनसीआर क्षेत्र को हवाई खतरों से बचाने के लिए स्वदेशी एकीकृत वायु रक्षा हथियार प्रणाली भी शामिल है। भारतीय सेना की ड्रोन क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से, रक्षा मंत्रालय लगभग 850



लोइटरिंग मुनिशन्स (लॉइटरिंग मुनिशन्स) खरीदने का निर्णय ले सकता है। भारतीय नौसेना द्वारा अपने युद्धपोतों पर मंडरा रहे खतरों का मुकाबला करने के लिए स्वदेशी स्रोतों से बड़ी संख्या में मध्यम दूरी की सतह से वायु में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों की खरीद के प्रस्ताव पर भी चर्चा होने की संभावना है। बैठक में भारत अमेरिका से लगभग तीन वर्षों के लिए दो सी गार्जियन रू-9क्ष ।रू्ध ड्रोन लीज पर लेने पर भी निर्णय लेगा। भारत पहले ही इन ड्रोनों में से 31 के लिए समझौता कर चुका है, जिनके 2028 से भारत में आने शुरू होने की उम्मीद है।

रक्षा मंत्रालय की ओर से भारतीय वायु सेना के लिए 200 किलोमीटर से अधिक मारक क्षमता वाली बड़ी संख्या में एस्ट्रा मार्क 2 वायु-से-वायु मिसाइलों के विकास और खरीद को मंजूरी दिए जाने की संभावना है।

टीएमसी की 2026 की तैयारी

# अभिषेक बनर्जी ने पेश की विजय योजना.......

**नई दिल्ली।** बंगाल में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले, तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने संगठन की नींव को और मजबूत करने के लिए एक बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। कोलकाता में पार्टी की विशाल संगठनात्मक बैठक में, उन्होंने 5,000 से अधिक नेताओं और कार्यकर्ताओं के सामने तृणमूल की रणनीति और 'विजय योजना' प्रस्तुत की। अभिषेक बनर्जी 2 जनवरी को बारुईपुर, 3 जनवरी को जलपाईगुड़ी, 4 जनवरी को बीरभूम, 5 जनवरी को बिष्णुपुर, 7 जनवरी को इटाहार, 8 जनवरी को मालदा, 13 जनवरी को कूच बिहार और 15



जनवरी को कांथी जाएंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, विधानसभा चुनाव अगले साल अप्रैल के आसपास होंगे। इसलिए तृणमूल कांग्रेस ने अभी से पूरी तैयारी शुरू कर दी है। 2021 में तृणमूल कांग्रेस ने राज्य की 294 सीटों में से 215 सीटें जीती थीं।

### 2 और 3 जनवरी को संघ प्रमुख मोहन भागवत भोपाल में,युवा संवाद और प्रबुद्धजनों से चर्चा करेंगे

**भोपाल।** नए साल की शुरुआत मध्यप्रदेश में राजनीतिक और वैचारिक गतिविधियों के साथ होने जा रही है। राजधानी भोपाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में चार बड़े कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, जिनमें संघ प्रमुख मोहन भागवत समाज के विभिन्न वर्गों से सीधा संवाद करेंगे। नए साल की शुरुआत में आरएसएस चार बड़े वैचारिक और सामाजिक संवाद कार्यक्रमों करने जा रहा है। 2 और 3 जनवरी को आयोजित इन कार्यक्रमों में संघ प्रमुख मोहन भागवत समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद करेंगे।

दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल अभ्यास

# जनगणना 2027 के फेस-1 का पूर्व परीक्षण हुआ पूरा,अप्रैल 2026 से शुरू होगा काम.....

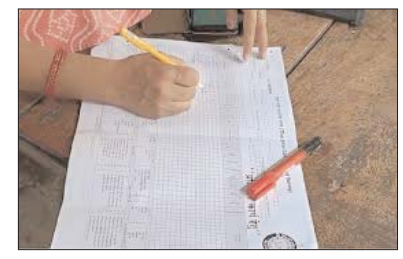

**नई दिल्ली।** भारत की जनगणना 2027 के पहले चरण के शुभारंभ में तीन महीने से भी कम समय बचा है, ऐसे में सरकार ने इस कार्य के लिए विस्तृत तैयारियां शुरू कर दी हैं, जिसे अधिकारी विश्व के सबसे बड़े प्रशासनिक अभ्यासों में से एक बता रहे हैं। अप्रैल 2026 में शुरू होने वाली गृह सूची और आवास जनगणना के लिए रूपरेखा को अंतिम रूप देने हेतु उप-जिला, जिला और राज्य स्तर पर हितधारकों के साथ व्यापक चर्चाएं की गई हैं। इस महीने की शुरुआत में पहले चरण के पूर्व-परीक्षण अभ्यास के सफल समापन के बाद तैयारियों में तेजी आई है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने सभी हितधारकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह भारत की पहली



डिजिटल जनगणना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समाचार एजेंसी एएनआई ने सरकारी अधिकारियों के हवाले से बताया कि चर्चा में लाखों फील्ड स्टाफ की तैनाती पर बात हुई, जो हर घर का दौरा करेंगे, डेटा संग्रह के लिए मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग और इस विशाल डिजिटल अभियान के लिए आवश्यक कई सुरक्षा उपायों पर भी विचार किया गया। योजना में अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच निर्धारित पहले चरण के सुचारू संचालन के लिए उप-जिला, जिला और राज्य स्तर पर जनगणना अधिकारियों की स्तरीय तैनाती भी शामिल है। गौरतलब है कि जनगणना 2027 दो चरणों में संपन्न की जाएगी। पहला चरण, गृह सूचीकरण और आवास जनगणना, अप्रैल से सितंबर 2026 तक चलेगा। दूसरा चरण, जनसंख्या गणना, फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा। हालांकि, लद्दाख, जम्मू और कश्मीर के बर्फ से ढके क्षेत्रों, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में जनसंख्या गणना सितंबर 2026 में होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 12 दिसंबर को 11,718.24 करोड़ रुपये की लागत से जनगणना 2027 के प्रस्ताव को मंजूरी दी।

केरल में 'कमल' का कमाल!

# पहली बार मेयर पद जीतकर बीजेपी ने रचा इतिहास,ढह गया वामपंथ का अभेद्य किला

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी ने केरल में नया इतिहास रच दिया है। बीजेपी उम्मीदवार वीवी राजेश ने तिरुवनंतपुरम मेयर का चुनाव जीत लिया है। वीवी राजेश को 51 वोट मिले, जो तिरिवनंतपुरम नगर निगम की कुल वर्तमान स्ट्रेंथ से एक अधिक है। लेफ्ट पार्टियों के गठबंधन एलडीएफ उम्मीदवार को 29 और विपक्षी कांग्रेस की अगुवाई वाले यूडीएफ उम्मीदवार को 17 वोट ही मिले। बीजेपी की इस जीत से इस दक्षिणी राज्य की राजनीतिक में बड़ी हलचल मच गई है। पदभार ग्रहण करने के बाद अपने पहले संबोधन में उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर आगे बढ़ेंगे, सबको साथ लेकर चलेंगे। बीजेपी के महापौर वीवी राजेश ने अपने संबोधन में कहा कि तिरुवनंतपुरम के सभी 101 वार्डों में विकास कार्य लागू किया जाएगा और तिरुवनंतपुरम को एक विकसित शहर बनाया जाएगा। बता दें कि वीवी राजेश ऐसे समय में केरल में महापौर बने हैं, जब राज्य के विधानसभा चुनाव में 6 महीने से भी



कम समय बचा है। गौरतलब है कि केरल देश के कुछ चुनिंदा राज्यों में से एक है जहां बीजेपी लंबे समय से संघर्ष करती आ रही है, लेकिन लेफ्ट के इस अभेद किले को अभी तक भेदने में नाकामयाब रही है। केरल में पार्टी का अभी तक केवल एक ही विधायक रहा है, जिनका नाम ओ राजगोपाल। उन्होंने 2016 में नेमोम सीट जीती थी। राज्य में बीजेपी के एक सांसद हैं अभिनेता सुरेश गोपी, जिन्होंने साल 2024 में त्रिशूर सीट जीती है। बता दें कि आज सुबह हुए मतदान में बीजेपी के कैंडिडेट ने 51 वोट हासिल किए, जो 100 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत से एक अधिक है। सीपीआईएम के आरपी शिवाजी को 29 और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफके केएस सबरीनाथन को 19 वोट मिले। एक पार्षद ने मतदान में भाग नहीं लिया। एक अन्य निर्दलीय पार्षद, पी राधाकृष्णन के समर्थन से बीजेपी की ये जीत संभव हो पाई। राजेश का महापौर बनना केरल की शहरी राजनीति में बीजेपी के लिए एक नए अध्याय का संकेत है। केरल की राजधानी में बीजेपी की इस जीत ने शहर के नगर निकाय पर सीपीआईएम के 45 वर्षों के नियंत्रण को समाप्त कर दिया है। समारोह के बाद केरल बीजेपी के प्रमुख राजीव चंद्रशेखर ने पत्रकारों से कहा कि सीपीआईएम ने कांग्रेस के अप्रत्यक्ष या पर्दे के पीछे के समर्थन से तिरुवनंतपुरम को बर्बाद कर दिया है।

कुलदीप सेंगर की जमानत पर बवाल

# यह अन्याय है,न्याय चाहिए-महिलाएं....

**नई दिल्ली।** उन्नाव बलात्कार मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर को सशर्त जमानत दिए जाने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को लेकर शुक्रवार को लोगों ने अदालत के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी अदालत परिसर के पास जमा हुए और जमानत आदेश के विरोध में नारे लगाते हुए अपनी आवाज उठाई। ये विरोध प्रदर्शन उन्नाव बलात्कार पीड़िता और उसके परिवार द्वारा सेंगर की जेल की सजा को निलंबित किए जाने पर



व्यक्त की गई गंभीर चिंताओं के बीच हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों, जिनमें से अधिकांश महिलाएं थीं, ने बड़ी संख्या में इकट्ठा होकर सेंगर की सजा निलंबित करने के फैसले पर सवाल उठाते हुए नारे लगाए।

# 3 प्रकरण में एटीएम मशीन को गैस कटर से काटकर चोरी करने के प्रयास व चोरी के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

## आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त शब्बल व छड़ काटने का गैलेंडर मशीन, गैस कटर, वेल्डिंग मशीन, मोबाईल एवं बाईक को जप्त कर किया गया बरामद

**बेमेतरा।** 3 प्रकरण में एटीएम मशीन को गैस कटर से काटकर चोरी करने के प्रयास व चोरी के मामले में एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया और आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त शब्बल व छड़ काटने का गैलेंडर मशीन, गैस कटर, वेल्डिंग मशीन, मोबाईल एवं बाईक को जप्त कर किया गया। 13/09/2025 को प्रार्थी सरोज हेम्ब्रोम उम्र 34 साल साकिन साहपुर थाना बसंतराई जिला गोड्डा झारखण्ड वर्तमान पता बैंक मैनेजर भारतीय स्टेट बैंक शाखा छिरहा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि घटना 12-13/09/2025 की दरम्यानी रात्रि अज्ञात चोर द्वारा ग्राम छिरहा स्थित स्टेट बैंक एटीएम में चोरी करने एटीएम को गैस कटर से काटकर तोड़फोड़ कर एटीएम में लगे यूपीएस मशीन को चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना दाढी में धारा 331(4), 305(ई), 324(3) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। 06.12.2025 को प्रार्थी अजय कुमार नाहक उम्र 43 वर्ष निवासी चाटीडीह शनिचरी बाजार रोड बिलासपुर थाना सरकण्डा जिला बिलासपुर ने थाना बेमेतरा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 26/11/2025 को रात्री में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा ग्राम कठिया में स्थित,ञरू में तोड़ फोड़ किया गया है जिससे एटीएम मशीन का हुड-लुक एटीएम का मेन सेफ लॉक को काट दिया गया है,




लाबी का बेक दरवाजा को तोड़ दिया गया है कैमरा को तोड़ दिया है। और एटीएम के रकम को चोरी करने का प्रयास किया गया है। कि रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना बेमेतरा में धारा 305(ई), 62 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। 18.12.2025 को प्रार्थी बलजीत सिंह गांधी उम्र 30 साल निवासी वार्ड नं 09 नवागढ़, थाना नवागढ़, जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा मेरे द्वारा लगाये गये एटीएम मशीन में 18.12.2025 के रात्रि करीब 01.00 बजे घुसकर एटीएम मशीन को गैस वेल्डिंग या कटर मशीन से एटीएम को काटकर एटीएम मशीन के अंदर रखे रकम को चोरी करने का प्रयास किया है तथा पीछे के कमरा का प्लाई को तोड़फोड़ किया है जिससे इसका एटीएम मशीन क्षतिग्रस्त हो गया है कि रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना नवागढ में धारा 331(3), 305(क), 62 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान ग्राम खाम्ही निवासी पुखराज साहू को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर उक्त तीनो चोरी की प्रयास की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी पुखराज साहू सु पुछताछ करने पर पता चला कि वह कलर ट्रेडिंग गेम खेलता था जो कलर ट्रेडिंग में ऑनलाईन रकम लगाता था अपने दोस्तो से थोडा-थोडा उधार मांग के करीबर 3 लाख रूपए कलर ट्रेडिंग में हार गया था जिसके कर्ज चुकाने हेतु यह एटीएम मशीन को तोडकर रूपये मिल जायेगा सोंचकर सबसे पहले ग्राम छिरहा में आज से करीबन 03 माह पूर्व रात्रि में स्टेट बैंक के एटीएम मशीन को कांटने का प्रयास किया। जो नहीं कटा, इसके बाद ग्राम कठिया में 26.11.2025 के दरमियानी रात इंडिया नंबर 01 के एटीएम मशीन को तोडने गया था। एटीएम मशीन नही टुटा उसके बाद 18-19.12.2025 के दरमियानी रात ग्राम अंधियारखोर में इंडिया नंबर 01 एटीएम मशीन में चोरी करने गया था वहां भी एटीएम मशीन नहीं टुटा, फिर अपना घर चला गया। एटीएम मशीन तोडने के लिए लोहे का सब्बल व छड़ कांटने का ग्लेंडर मशीन, गैस कटर, वेल्डींग मशीन का उपयोग करता था, अपना पहचान छुपाने के लिए चेहरा को गमछा से बांध लेता था, तथा आने जाने के लिए यह अपने मोटर सायकल का उपयोग करता था। प्रकरण में आरोपी के कब्जे से सब्बल व छड़ कांटने का गैलेंडर मशीन, गैस कटर, वेल्डींग मशीन व मोबाईल घटना में प्रयुक्त मो.सा. क्रमांक सी.जी. 10 ई.एफ. 4205 को जप्त कर बरामद किया गया। आरोपी पुखराज साहू पिता गोपी राम साहू उम्र 21 साल, साकिन खाम्ही, थाना नवागढ़, जिला बेमेतरा को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया। इस संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक मयंक मिश्रा, थाना प्रभारी दाढी निरीक्षक रोशन लाल टोन्डे, थाना प्रभारी नवागढ उप निरीक्षक भुनेश्वर यादव, प्रधान आरक्षक योगेश यादव, अजय बंजारे, आरक्षक नुरेश वर्मा, संजय पाटिल, जयकिशन साहू, खुशाल बोरकर, संतोष धीवर एवं अन्य स्टाफ की महत्वपूर्ण योगदान रहा।

# धान खरीदी केन्द्र के समिति प्रबंधक को कारण बताओ नोटिस

## शत प्रतिशत धान की खरीदी करने एवं धान की अवैध खरीदी-बिक्री की रोकथाम हेतु पुख्ता उपाय सुनिश्चित करने कलेक्टर ने दिए निर्देश





**बालोद।** कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने डौंडीलोहारा ब्लॉक के ग्राम कोड़ेकसा, भंवरमरा, खैरकटटा, राणा खुज्जी एवं खेरथा के धान खरीदी केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण कर संपूर्ण व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को वास्तविक किसानों के वास्तविक रकबे के आधार पर शत प्रतिशत धान की खरीदी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि कोई भी पात्र कृषक अपनी वास्तविक रकबे के अनुसार धान की बिक्री करने से वंचित न रहे। इसके अलावा उन्होंने मौके पर उपस्थित नोडल अधिकारी, समिति प्रबंधक एवं अन्य सभी अधिकारी-कर्मचारियों को धान खरीदी केन्द्रों में धान की अवैध खरीदी-बिक्री की रोकथाम सुनिश्चित करने हेतु पुख्ता उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी योजना को राज्य शासन की अत्यंत महत्वाकांक्षी एवं विशेष प्राथमिकता वाले योजना बताते हुए इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरते जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी। इस दौरान कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने धान खरीदी केन्द्र खैरकटटा में बिना कलर के सुतली से धान बोरों की सिलाई किए जाने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। कलेक्टर ने इसके लिए उन्होंने समिति प्रबंधक की जिम्मेदारी तय करते हुए उनके विरूद्ध कारण बताओ नोटिस जारी कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने धान खरीदी केन्द्र खेरथा एवं राणा खुज्जी के समिति प्रबंधकों को कार्यप्रणाली में सुधार लाने की चेतावनी भी दी। इस दौरान उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं आरपी राठिया, तहसीलदार हिंसाराम नायक, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के नोडल अधिकारी सीआर रावटे सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

### अनिवार्य रूप से रकबा समर्पण करने के निर्देश

कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने धान खरीदी केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान दस्तावेजों का अवलोकन कर धान खरीदी केंद्रों में अब तक खरीदे गए धान की कुल मात्रा, ग्रामवार औसत पैदावार, रकबा समर्पण की स्थिति आदि का सूक्ष्मता से पड़ताल किया। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने मौके पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में कोचियों, व्यापारी आदि से धान की अवैध खरीदी न की जाए। उन्होंने इस संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की भी चेतावनी दी। कलेक्टर ने धान खरीदी केन्द्रों में रकबा समर्पण कराने वाले किसानों की कुल संख्या की जानकारी लेते हुए रकबा समर्पण के कार्य को विशेष प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अंतर्गत उन्होंने धान बिक्री करने के पश्चात् जिन कृषकों के पास धान शेष नही रह जाता उनका अनिवार्य रूप से रकबा समर्पण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि पहले टोकन के पश्चात किसानों के रकबा के आधार पर पात्रतानुसार उनका दूसरा एवं तीसरा टोकन काटे जाने पर भौतिक सत्यापन के उपरांत ही संबंधित कृषकों की धान की खरीदी करने के निर्देश दिए।

### धान बोरों के तौल का किया अवलोकन

कलेक्टर ने दूसरा एवं तीसरा टोकन जारी करने की स्थिति में निगरानी दल में शामिल हल्का पटवारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, ग्राम पंचायत सचिव आदि अधिकारी-कर्मचारियों को संबंधित किसानों के घरों में भेजकर उनके पास उपलब्ध धान की भौतिक सत्यापन कराने को कहा। जिससे कि केवल वास्तविक किसानों के वास्तविक धान की खरीदी सुनिश्चित होने के साथ-साथ व्यापारियों एवं कोचियों के द्वारा की जाने वाली धान की अवैध खरीदी-बिक्री पर रोकथाम सुनिश्चित की जा सके। इस दौरान कलेक्टर ने धान खरीदी केन्द्र में उपस्थित किसानों से चर्चा कर धान खरीदी केन्द्र की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने किसानों को धान खरीदी केन्द्र में केवल साफसुथरे एवं गुणवत्तायुक्त धान ही बिक्री हेतु लाने के निर्देश भी दिए। इस मौके पर उन्होंने धान खरीदी केन्द्रों में धान बोरों के तौल का अवलोकन किया। उन्होंने नमी मापक यंत्र के माध्यम से धान की नमी की भी जांच कराया। सभी धान खरीदी केन्द्रों में धान में नमी की मात्रा समुचित पाई गई। उन्होंने समिति प्रबंधकों एवं अधिकारी-कर्मचारियों को सभी धान खरीदी केन्द्रों में किसानों के लिए शुद्ध पेयजल, छांव, शौचालय आदि की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए।

# दुर्ग संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने जिला कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

**कवर्धा।** दुर्ग संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने कलेक्टर गोपाल वर्मा के साथ जिला कार्यालय कवर्धा के विभिन्न विभागों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शासकीय कार्यों की प्रगति, कार्यालयीन व्यवस्थाओं एवं योजनाओं से संबंधित कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। संभाग आयुक्त राठौर ने कलेक्टर कोर्ट, अतिरिक्त कलेक्टर कोर्ट, कोषालय, श्रम विभाग, लाइसेंस शाखा सहित अन्य विभागों का निरीक्षण किया। कलेक्टर कोर्ट एवं अतिरिक्त कलेक्टर कोर्ट में लंबित एवं निराकृत प्रकरणों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर गोपाल वर्मा ने संभाग आयुक्त को जिले में संचालित विभिन्न विभागीय गतिविधियों, योजनाओं एवं कार्यों की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान लाइसेंस शाखा से संभाग आयुक्त ने जिले में जारी विभिन्न प्रकार के लाइसेंसों की संख्या एवं उनकी अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। कोषालय के निरीक्षण के दौरान संभाग आयुक्त ने विभागीय काम काज और वित्तीय प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त की। संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शासन की मंशानुरूप कार्य करते हुए आम जनता को त्वरित एवं प्रभावी सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कवर्धा एसडीएम चेतन साहू, संयुक्त कलेक्टर आरबी देवांगन, नायब तहसीलदार विकास जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

# धर्म-राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान को नमन : हजारों ने उठाया लाभ

**बेमेतरा।** गुरु गोबिंद सिंघ चौक में सिक्ख समाज, समूह साध संगत ने चार साहिबजादों की शहादत सप्ताह पर गरम दूध का लंगर लगाकर मानव सेवा का अनुपम उदाहरण पेश किया। यह लंगर न केवल सेवा का प्रतीक है, बल्कि गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों के बलिदान को श्रद्धांजलि भी। हजारों नागरिकों ने इसका लाभ उठाया, जबकि सेवादारों ने सरहिंद की उस ऐतिहासिक घटना की गाथा सुनाई जब मोतीराम मेहरा ने ठंड में बच्चों को दूध पिलाने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। शहादत सप्ताह के इस आयोजन में हरजीत सिंघ खनूजा, इंदर सिंघ दत्ता, जगजीत सिंघ पप्पी अजमानी, प्रीतम हुरा, वरिंदर सिंघ सलूजा, हरभजन सिंघ खनूजा, राम



छाबड़ा, हरदीप सिंघ राजा छाबड़ा, राहुल खनूजा, यश सिंघ सलूजा, सौरभ सलूजा, भवदीप सिंघ हुरा, राजा सचदेव, मंजीत अजमानी सहित अनेक सेवादारों ने सेवा की। हजारों नागरिकों ने इसका लाभ उठाया, सिक्ख समाज के वरिष्ठ हरजीत सिंघ खनूजा ने सरहिंद की उस ऐतिहासिक घटना की गाथा सुनाई जब मोतीराम मेहरा ने ठंड में बच्चों को दूध पिलाने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। 22 दिसंबर 1704 को चमकौर में अजीत सिंह व जुझार सिंह, तथा 27 दिसंबर को सरहिंद में जोरावर सिंह व फतेह सिंह ने धर्म की रक्षा के लिए प्राण त्यागे। यह लंगर हरवर्ष देश-विदेश में लगाया जाता है।

# भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर अटल परिसर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित




**बेमेतरा।** भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के पावन अवसर पर अटल परिसर, बेमेतरा में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने भाजपा परिवारजनों के साथ दीप प्रज्वलित कर श्रद्धेय अटल के छायाचित्र पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। विधायक दीपेश साहू ने अपने संबोधन में कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी केवल एक महान राजनेता ही नहीं, बल्कि राष्ट्रवादी विचारधारा, संवेदनशील नेतृत्व और लोकतांत्रिक मूल्यों के सशक्त प्रतीक थे। उनका ओजस्वी व्यक्तित्व, दूरदर्शी सोच और राष्ट्रहित में लिए गए ऐतिहासिक निर्णय आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि अटल ने सुशासन, राष्ट्रीय एकता और विकास के जो मानक स्थापित किए, वे आज भी प्रासंगिक हैं। विधायक दीपेश साहू ने अटल जी के आदर्शों, विचारों और मूल्यों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण के संकल्प को और अधिक सशक्त करने का प्रण लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, पार्षद पंचू साहू, विकास तंबोली, राजकुमार खांडे, रवि मूलवानी, शहर मण्डल अध्यक्ष युगल देवांगन, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी, रेवा राम निषाद, डॉ विनय साहू, अमृका निर्मलकर, सावित्री रजक, ममता साहू, योगेश वर्मा उमेश्वरी साहू, राजीव तंबोली सहित भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने अटल जी को विनम्र नमन एवं कोटि-कोटि श्रद्धांजलि अर्पित की।

# कबीरधाम में 2100 परिवारों का गृहप्रवेश, हर माह होगा 'आवास दिवस'

**कवर्धा।** सुशासन सप्ताह के अवसर पर कबीरधाम जिले में 01 नवम्बर के बाद पूर्ण हुए 2100 से अधिक प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं प्रधानमंत्री जनमन आवासों में एक साथ सामूहिक गृह प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर ग्रामीण अंचलों में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। हितग्राहियों ने अपने नए घरों को दीपों और रंगोलियों से सजाकर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विधिवत गृह प्रवेश किया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही, जिन्होंने हितग्राहियों को शुभकामनाएं दीं। राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं प्रधानमंत्री जनमन के तहत स्वीकृत आवासों का निर्माण समय-सीमा में पूर्ण कराने और जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देश तथा जिला पंचायत सीईओ अजय कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में विभागीय अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इन निर्देशों के तहत अब जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में हर माह की 7 तारीख को 'आवास दिवस' का आयोजन अनिवार्य किया गया है। यह आयोजन चावल महोत्सव एवं मनरेगा रोजगार दिवस के साथ संयुक्त रूप से किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित हो सके। आवास दिवस के दौरान हितग्राहियों की सूची का सार्वजनिक वाचन, निर्धारित समय से पूर्व आवास पूर्ण करने वाले हितग्राहियों का सम्मान, लंबित किश्तों का त्वरित भुगतान, मनरेगा मजदूरी की समीक्षा तथा आवास निर्माण में आ रही समस्याओं का मौके पर निराकरण किया जाएगा। इसके साथ ही निर्माण सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने और स्थानीय संसाधनों के उपयोग पर भी जोर दिया जाएगा। यह पहल कबीरधाम जिले में ग्रामीण आवास निर्माण को अभियान का रूप दे रही है, जिससे पात्र परिवारों को समय पर पक्का आवास उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस प्रगति हो रही है।

# विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से ग्रामीण अंचलों में मूलभूत सुविधाओं हेतु निर्माण कार्यों की स्वीकृति

### ग्रामीण अंचलों में विकास हेतु 1.54 लाख रु. से अधिक की स्वीकृति

**कवर्धा।** ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत परिवारों की सेवा एवं सुविधा के लिए पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा निरंतर विकास कार्यों की सौगात क्षेत्रवासियों को दी जा रही है। लगातार जनता की आकाँक्षाओं के अनुरूप क्षेत्र के विकास एवं जनसुविधाओं के विस्तार तथा पंडरिया विधानसभा में अधोसंरचना निर्माण कार्यों को विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से स्वीकृति मिल रही है। इसी कड़ी में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण द्वारा पंडरिया विधानसभा में कुल 16 विकास व अधोसंरचना निर्माण हेतु 1 करोड़ 54 लाख 80 हजार रुपए की स्वीकृति मिली है। विधायक भावना बोहरा ने इस सौगात के लिए क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर का आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि मजबूत अधोसंरचना, सशक्त गांव और आत्मनिर्भर पंडरिया, यही हमारा संकल्प और लक्ष्य है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कुशासन में 5 वर्षों तक उपेक्षित पंडरिया विधानसभा विगत 2 वर्षों में डबल इंजन भाजपा सरकार के कुशल नेतृत्व में पंडरिया विधानसभा में विकास कार्य धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। गांव-गांव में बेहतर सड़कें, सामाजिक गतिविधियों के लिए सामुदायिक भवन और बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में मजबूत कदम है। किसी भी देश की



प्रगति का रास्ता गाँव के विकास से होकर गुजरता है। इसी उद्देश्य से हम ग्रामीण स्तर पर हर गाँव-गाँव और घर-घर सुविधाओं एवं योजनाओं का विस्तार कर रहें हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए लगातार विकास व अधोसंरचना निर्माण के कार्य प्रगति पर हैं। ग्रामीण महिलाओं और किसानों को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमारा प्रयास निरन्तर जारी है। उन्होंने आगे कहा कि हमारा पंडरिया विधानसभा निरन्तर नई उपलब्धियां अर्जित कर रहा है। गाँव-गाँव तक सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। 400 करोड़ रुपए से अधिक के विकास व अधोसंरचना निर्माण कार्य अपना आकर ले रहें और कई परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। जनता की बहुप्रतीक्षित मांग जो वर्षों से लंबित थी वह आज पूरी हो रही है। सिंचाई व्यवस्था और पर्याप्त जल आपूर्ति के लिए सिंचाई परियोजनाएं जो यहां के किसानों और जनता की बहुप्रतीक्षित मांग थी उन्हें भी स्वीकृति मिली है और कई परियोजनाओं का निर्माण कार्य भी शुरू हो चुका है। नवीन महाविद्यालय की स्थापना, रणवीरपुर और नगर पंचायत पांडातराई में उप तहसील की स्थापना, पीएम जनमन योजना से पक्की सड़कों का निर्माण व पीएम आवास की सौगात राष्ट्रीय राजमार्ग 130ए अंतर्गत पंडरिया नगर के सड़क मरम्मत कार्य 20 करोड़ रुपए की स्वीकृति, 100 सीटर कन्या छात्रावास भवन, हरिनाला से बिशेसरा पुल तक राष्ट्रीय राजमार्ग 130ए के सड़क के फोरलेन एवं चौड़ीकरण के लिए 13 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली है। ऐसे कई कार्य हैं जो विगत 2 वर्षों में पंडरिया विधानसभा में हो रहें हैं और इस विकास यात्रा को निरंतर गति देने के लिए हम प्रयास कर रहें हैं।

### *विभिन्न ग्रामों में इन 16 विकास कार्यों को मिली स्वीकृति*

*ग्राम डोंगरियाकला में सामुदायिक भवन निर्माण, ग्राम डेहरी में आदिवासी मोहल्ला में सामुदायिक भवन निर्माण, नगर पांडातराई के वार्ड क्र. 4 गुप्ता मोहल्ला में सामुदायिक भवन निर्माण, ग्राम गोछिया में रानी अवंती बाई चौक अटल चौक में कांक्रीटीकरण कार्य, ग्राम चरखुराकला में अतिरिक्त कक्ष निर्माण, नगर पांडातराई के वार्ड क्र. 05 में कक्ष निर्माण, ग्राम पैलपार में गणेश निषाद के घर के पास सामुदायिक भवन निर्माण, ग्राम ज्ञानपुर में सामुदायिक भवन निर्माण, ग्राम गौरमाटी में पटवारी भवन के पास सामुदायिक भवन निर्माण, ग्राम छीरपानी में सामुदायिक भवन निर्माण, ग्राम दुल्लापुर में सामुदायिक भवन निर्माण और ग्राम गुंझेटा में महामाया प्रांगण के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य के लिए 1 करोड़ 54 लाख 80 हजार रुपए की स्वीकृति मिली है।*

## संक्षिप्त समाचार

### चखना में मिला ठंडा भजिया तो कर दी दोस्त की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

**रायपुर।** राजधानी रायपुर में शराब पीने के दौरान चखना में ठंडा भजिया लाने के विवाद पर एक युवक ने अपने की दोस्त के सिर पर रॉड से हमला कर उसकी हत्या कर दी। मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। मामला खम्हारडीह थानाक्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 23-24 दिसंबर की दरम्यानी रात्रि सनी साहू एवं दुर्गेश सतनामी पूर्व से शराब सेवन कर नशे में थे तथा डेयरी में बैठकर शराब सेवन कर रहे थे। इस दौरान दुर्गेश सतनामी द्वारा खाने हेतु भजिया लाया गया था, जो ठंडा हो गया था जिसपर सनी साहू ने दुर्गेश सतनामी के द्वारा ठंडा भजिया लाने पर विवाद करते हुये पास पड़े लोहे के रॉड से दुर्गेश सतनामी पर वार किया जिससे वह बेहोश कर गिर गया। घबराये सनी साहू ने तत्काल दुर्गेश सतनामी को उपचार हेतु आंबेडकर अस्पताल पहुंचा, जहां डॉ. द्वारा जांच के बाद दुर्गेश सतनामी को मृत घोषित कर दिया गया। मामले में पुलिस ने आरोपी सनी के विरूद्ध थाना खम्हारडीह में धारा 103(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध उसे गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त लोहे का रॉड जप्त किया गया। बता दें कि आरोपी सनी साहू एवं मृतक दुर्गेश सतनामी दोनों साहू डेयरी में काम करते थे तथा आपस में अच्छे दोस्त थे तथा घटना के दिन भी दोनों बैठकर शराब पी रहे थे।

### केरल में मारे गये छत्तीसगढ़ के मजदूर के परिवार को केरल सरकार करेगी 30 लाख की मदद

**रायपुर।** केरल में बांग्लादेशी नागरिक समझकर मारे गये छत्तीसगढ़ के प्रवासी मजदूर राम नारायण के परिवार को केरल सरकार ने 30 लाख की मदद देने की घोषणा की है। बता दें कि केरल के वालयार के पास किझाकेट्टप्पल्लम में चोरी में शामिल होने के आरोप में छत्तीसगढ़ से मजदूरी करने पहुंचे रामनारायण की कथित तौर पर बुधवार शाम को पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। पलक्कड़ में भीड़ ने रामनारायण को बांग्लादेशी समझकर उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। मामले में पीड़ित परिवार ने भी मुआवजे और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम सहित कड़े कानूनों के तहत जांच की मांग की है। अब मामले में केरल सरकार ने मृतक रामनारायण के परिवार को 30 लाख रूपये की आर्थिक मदद करने की घोषणा की है।

### भाजपा नेता की हत्या करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के कारखाना मोहल्ला निवासी वरिष्ठ भाजपा नेता और जनपद सदस्य ठेकेदार अक्षय गर्ग की हत्या के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि वरिष्ठ भाजपा नेता और जनपद सदस्य ठेकेदार अक्षय गर्ग बुधवार सुबह 9-10 बजे के बीच वह ग्राम केशलपुर में अपनी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण साइट का निरीक्षण कर रहे थे। इसी दौरान तीन अज्ञात व्यक्तियों ने काले रंग की कार में आकर उन पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में अक्षय गर्ग गंभीर रूप से घायल हुए और उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने अक्षय गर्ग को मृत घोषित कर दिया।

## अटलजी की स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने का संकल्प

# जन्म-शताब्दी वर्ष में सभी नगरीय निकायों में अटल परिसरों का निर्माण

- गांव-गांव को बारहमासी सड़कों से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य अटलजी ने किया मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय
- मुख्यमंत्री द्वारा 187 करोड़ रुपये के 23 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर राज्य के 115 नगरीय निकायों में नवनिर्मित अटल परिसरों का लोकार्पण किया। उन्होंने राजधानी रायपुर में अटल एक्सप्रेस-वे के फुंडहर चौक पर स्थापित अटलजी की प्रतिमा का अनावरण तथा अटल परिसर का लोकार्पण करते हुए राज्यभर में आयोजित कार्यक्रमों से वर्चुअल रूप से जुड़कर अन्य 114 नगरीय निकायों में निर्मित अटल परिसरों का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरू खुशवंत साहेब कार्यक्रम में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने फुंडहर खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में रायपुर नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत 186 करोड़ 98 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत 23 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 185 करोड़ 49 लाख रुपये के 17 कार्यों का भूमिपूजन तथा एक करोड़ 49 लाख रुपये के 6 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इस अवसर पर उन्होंने नगरीय प्रशासन एवं

विकास विभाग द्वारा प्रकाशित अटल परिसरों पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के पाँच हितग्राहियों को भवन निर्माण अनुज्ञा-पत्र एवं पीएम स्वनिधि योजना के तहत पाँच महिला हितग्राहियों को 50-50 हजार रुपये के चेक वितरण किए गए। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में अटलजी की 101वीं जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उपस्थित नागरिकों को सुशासन दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि तीन करोड़ छत्तीसगढ़वासी आज अटलजी को कृतज्ञतापूर्वक नमन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अटलजी तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे, वे अजातशत्रु, प्रखर वक्ता, संवेदनशील कवि एवं श्रेष्ठ साहित्यकार थे। विरोधी दल भी उनके भाषणों को सुनने के लिए उत्सुक रहते थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से अटलजी ने गांव-गांव तक पक्की सड़कों का जाल बिछाया और बारहमासी सड़कों से ग्रामीण भारत को जोड़ा, जिससे छह लाख से अधिक गांवों में विकास के द्वार खुले। किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसानों को सुलभ कृषि ऋण उपलब्ध कराया गया, जिसका लाभ आज करोड़ों किसान उठा रहे हैं। अटल जी ने आदिम जाति विकास मंत्रालय का गठन कर उन्होंने आदिवासी कल्याण की योजनाओं को नई दिशा दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज प्रदेश के 115 नगरीय निकायों में अटल परिसरों का लोकार्पण किया गया है। इससे पूर्व 60 स्थानों पर परिसरों का लोकार्पण हो चुका है। अटलजी के जन्म-शताब्दी वर्ष में सभी नगरीय निकायों में अटल परिसर निर्मित किए जा रहे हैं, ताकि छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता अटलजी की स्मृतियाँ चिरस्थायी बनी रहें। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के पश्चात छत्तीसगढ़ के विकास को नई गति मिली है। अटलजी की दूरदृष्टि और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ विकसित राज्य बनने की दिशा में तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत रायपुर में 1023 आवासों की स्वीकृति दी गई है। विधायक श्री किरण सिंह देव ने कहा कि अटलजी ने अपना वादा निभाते हुए छत्तीसगढ़ को अलग राज्य का स्वरूप प्रदान किया। आज डबल-इंजन की सरकार सभी वर्गों के विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि 'गुड गवर्नेंस' की अवधारणा को देश ने अटलजी के नेतृत्व में अनुभव किया। विधायक श्री मोतीलाल साहू ने कहा कि प्राकृतिक संपदा से परिपूर्ण होते हुए भी आर्थिक रूप से पिछड़े इस क्षेत्र की आवश्यकता को अटलजी ने पहचाना और नया राज्य देकर विकास का मार्ग प्रशस्त किया।

## क्षमता विकास पर एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

**रायपुर।** मुख्य सचिव विकासशील ने कहा है कि विभागीय अधिकारी कर्मचारियों की क्षमता विकास के लिए विभाग की जरूरत एवं पदों के अनुरूप प्रशिक्षण कोर्स तय किए जायें, जिससे वे कार्यक्रम मिशन कर्मयोगी के लक्ष्य के अनुरूप कार्य कर सकें। मुख्य सचिव ने कहा कि कर्मचारियों की पदोन्नति एवं नवीन पदस्थापना होने पर उन्हें अपने नवीन पद के दायित्वों एवं कर्त्तव्यों के निर्वहन एवं क्षमता विकास के लिए एक सप्ताह का संस्थागत प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। मुख्य सचिव ने आज यहां नवा रायपुर के आई.आई.आई.टी. में क्षमता विकास आयोग भारत सरकार तथा छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यशाला में अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्बोधित किया। कार्यशाला में गृह एवं जेल विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ भी शामिल हुए। मुख्य सचिव ने कहा कि अधिकारी-कर्मचारियों से क्षमता विकास कार्यशाला में क्षमता आयोग भारत सरकार की तकनीकी के सदस्यों से प्रशिक्षण कोर्स के संबंधी जरूरी मार्गदर्शन एवं तकनीकी जानकारी हासिल कर लें। क्षमता विकास पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाल में राज्य शासन के चयनित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी को अपने विभाग की क्षमता विकास योजना बनाने हेतु आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस टूल की तकनीकों का डेमोस्ट्रेशन के माध्यम से मार्गदर्शन एवं महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यशाला में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास तथा परिवहन विभाग द्वारा क्षमता विकास के लिए तैयार प्रशिक्षण कोर्स का प्रस्तुतिकरण के जरिए प्रदर्शन किया गया।

## अटल के आदर्श कर्तव्य पालन और समाज कल्याण के लिए समर्पण की प्रेरणा देते हैं..

रायपुर/ संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने जन्मशती पर पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटलजी की पावन स्मृतियों को संजोते हुए कहा है कि भारत रत्न एवं छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता अटल जी केवल भारत के पूर्व प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि विकास और सुशासन के महानायक थे। देव ने कहा कि श्रद्धेय अटल जी का जीवन सादगी, समर्पण और राष्ट्रसेवा का प्रतीक था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि अटल जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि हर भारतीय के दिल में बसे एक विचार थे। उनका योगदान हमारे देश की एकता, अखंडता और विकास के लिए अतुलनीय है। छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना उनकी दूरदर्शी सोच का परिणाम है, और इसके लिए प्रदेशवासी सदैव उनके आभारी रहेंगे। देव ने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व और विचारधारा सदैव हम सबको को प्रेरित करती रहेगी। उनके आदर्श हमें अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहने और समाज कल्याण के लिए कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि भारतीय राजनीति के अजातशत्रु कवि हृदय अटल जी का छत्तीसगढ़ से गहरा नाता था। सौभाग्य से यह वर्ष छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना का रजत जयंती वर्ष है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता राज्य निर्माता श्रद्धेय अटल जी के के प्रति अपनी आदरांजलि प्रकट कर रही है। देव ने कहा कि अटल जी राजनीति को परमार्थ का माध्यम मानते थे। वे समावेशी विकास के अगुवा थे। भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता के आचरण और उसकी प्राथमिकता तथा हमारी सरकार के नीतिगत निर्णयों में श्रद्धेय अटल जी के चिंतन की स्पष्ट अभिव्यक्ति होती है। देव ने कहा कि अटल जी ने छत्तीसगढ़ के विकास को लेकर जो स्वप्न देखा था उसे जनता के आशीर्वाद से डॉ रमन सिंह के नेतृत्व में पंद्रह वर्ष तक भाजपा सरकार ने साकार रूप देने का कार्य किया।

## सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से ग्रामीण घरों में हो रहा ऊर्जा आत्मनिर्भरता का संचार.....

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जन जन तक मुफ्त बिजली पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जारी की गई है। इस योजना का लाभ लेकर हजारों हितग्राहियों के चेहरे खिल गए हैं। जहां एक ओर उन्हें मुफ्त बिजली प्राप्त हो रही है वहीं बिजली के बिलों से उन्हें मुक्ति मिल गयी है। इस योजना ने जशपुर जिले के ग्रामीण अंचलों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सशक्त परिवर्तन की शुरुआत की है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से आम नागरिकों को प्रत्यक्ष और स्थायी लाभ मिल रहा है। इस परिवर्तन की सशक्त मिसाल जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड अंतर्गत ग्राम चम्पा निवासी श्री कोइरा राम हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने घर में 2 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया है। श्री कोइरा राम बताते हैं कि सोलर पैनल लगाने से पहले हर माह बढ़ते बिजली बिल उनके घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ डालते थे। अब सोलर सिस्टम के संचालन से उनका बिजली बिल शून्य हो गया है और वे निश्चिंत होकर बिजली का उपयोग कर पा रहे हैं।उन्होंने बताया कि सोलर पैनल स्थापना पर कुल लगभग 1.20 लाख रूपए की लागत आई, जिसमें शासन की ओर से 90 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त हुई। शेष राशि का वहन भी योजना के अंतर्गत मिले समयबद्ध मार्गदर्शन और सहयोग से सहज हो सका। परिणामस्वरूप, उनकी मासिक बचत बढ़ी है और वे स्वच्छ व हरित ऊर्जा के उपयोग के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे रहे हैं।श्री कोइरा राम ने बताया कि यह योजना ग्रामीण परिवारों के लिए वरदान सिद्ध हो रही है, एक ओर बिजली खर्च से राहत, दूसरी ओर आत्मनिर्भरता की भावना को मजबूती। उन्होंने इस जनहितकारी पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में सरकार आम नागरिकों के जीवन को आसान, किफायती और सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

## धर्मांतरण के विरुद्ध जनजाति समाज और पूरा प्रदेश एकजुट है-भाजपा.....

रायपुर । संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा है कि धर्मांतरण और उसकी आड़ में हुई हिंसक गतिविधियों के परिप्रेक्ष्य में भय, दबाव और प्रलोभन के जरिए किए जा रहे धर्मांतरण के विरुद्ध पूरे प्रदेश में काफी रोष है। बुधवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस ब्रीफ के दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुए देवलाल ठाकुर ने कहा कि इस तरह का धर्मांतरण एक आपराधिक कृत्य है और इसे रोकने के लिए अब कड़ा कानून बनाया जाएगा।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति और सनातनी परम्पराओं पर धर्मांतरण के जरिए हो रहे हमलों के खिलाफ भाजपा मुखर रही है और अब आदिवासी सर्व समाज के साथ पूरा प्रदेश अपनी सांस्कृतिक विरासत, आस्था और परम्पराओं की रक्षा के लिए एकजुट होकर खड़ा हुआ है। इससे पूरे प्रदेश व देश में यह संदेश गया है कि भय, दबाव और प्रलोभन के जरिए किया जा रहा धर्मांतरण सख्ती से रोका जाए। देवलाल ठाकुर ने कहा कि पहले धर्मांतरण के साथ ही धर्मांतरित लोगों का नाम, जाति और धर्म बदला जाता था, लेकिन अब धर्मांतरण करने में लगे लोग धर्मांतरित लोगों का नाम व जाति नहीं बदलते, बस उनसे अपने धर्म की जानकारी छिपा रखने को कहने लगे हैं। ऐसे धर्मांतरण को लेकर लोगों में काफी रोष है और इसके विरुद्ध आदिवासी समाज आगे आया है।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर निशाना साधते हुए चुनौती दी कि जिस तरह बघेल को पं. प्रदीप मिश्रा और पं. धीरेंद्रकृष्ण शास्त्री की बातें अंधविश्वास लगती हैं, क्या वह किसी चंगाई सभा की गतिविधियों को अंधविश्वास बताने का साहस दिखाएंगे? चंगाई सभा में क्या होता है, बघेल को यह पूरे प्रदेश को बताना चाहिए।

## एमडीएमए ड्रग्स के साथ दो और आरोपी गिरफ्तार

**रायपुर।** रायपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन निश्चय के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एम.डी.एम.ए ड्रग्स सिंडीकेट से जुड़े दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ड्रग्स, नकदी, मोबाइल फोन और एक लग्जरी चारपहिया वाहन जब्त किया गया है, जिसकी कुल कीमत करीब 25 लाख रुपये आंकी गई है। मामले में पुलिस ने अब तक कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि रायपुर की न्यू राजेन्द्र नगर थाना पुलिस ने दो दिन पहले ही सूचना के आधार पर न्यू राजेन्द्र नगर क्षेत्र स्थित वरण अपार्टमेंट के एक फ्लैट में रेड कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया था और मौके से 10 ग्राम एम.डी.एम.ए ड्रग्स, 20 हजार रुपये नकद और 4 मोबाइल फोन जब्त किए थे। गिरफ्तार आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ करने पर एम.डी.एम.ए ड्रग्स के पूरे सिंडीकेट का खुलासा हुआ। पूछताछ में यह बात सामने आई कि ड्रग्स की खरीद-बिक्री में ईवेंट डेकोरेशन के काम से जुड़े लोग भी शामिल हैं। इसी आधार पर पुलिस ने मंदिर हसौद निवासी मोहम्मद माजिद को गिरफ्तार किया, जो ड्रग्स खरीदकर उसकी बिक्री करता था। ऑनलाइन लेन-देन का खुलासा पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि एम.डी.एम.ए ड्रग्स के एवज में रकम ऑनलाइन माध्यम (फोन-पे) से नागपुर निवासी नंदलाल ठाकुर के खाते में ट्रांसफर की जाती थी।

## राजधानी रायपुर में आयोजित सुशासन दिवस समारोह

# अटल जी ने बनाया छत्तीसगढ़,मोदी जी इसे संवार रहे-उद्योग मंत्री

- लाईव प्रसारण में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के अभिभाषण को सुना अतिथियों व नागरिकों ने

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के वाणिज्य उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने आज सुशासन दिवस के अवसर पर कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटलबिहारी बाजपेयी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया और अब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हमारे छत्तीसगढ़ को संवारने का काम कर रहे हैं। उन्होने कहा कि श्रद्धेय अटल जी के संबंध में जितना भी कहा जाए, वह कम है, उन्होने अपने सम्पूर्ण राजनीतिक जीवन में कभी भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया, वे एक ऐसे महान व्यक्तित्व के स्वामी थे, जिनका सम्मान विपक्षी नेता भी करते थे तथा देश का हर वर्ग उनकी कार्यशैली, उनके आचरण व उनके सिद्धांतों का कायल था। उक्त बातें उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कोरबा में आयोजित सुशासन दिवस के अवसर पर कही। देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व.अटलबिहारी बाजपेयी जी की 101 वीं जयंती पर आज जिला प्रशासन व नगर पालिक निगम केारबा द्वारा विवेकानंद उद्यान के सामने स्थित अटल परिसर में सुशासन दिवस का आयोजन किया गया, आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति प्रदान की, कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा की गई, तो वहीं कार्यक्रम में सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, श्री गोपाल मोदी, प्रभारी कलेक्टर व निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय सहित निगम की मेयर इन काउंसिल के सदस्यगण व पार्षदगण उपस्थित थे। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने अटल परिसर में स्थापित अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं कार्यक्रम की शुरूआत कराई, वहीं राजधानी रायपुर में आयोजित सुशासन दिवस समारोह के लाईव प्रसारण में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा दिए गए अभिभाषण का श्रवण भी अतिथियों व नागरिकों के द्वारा किया गया,

उपस्थितजन राजधानी रायपुर के उक्त सम्पूर्ण आयोजन में आनलाईन रूप से शामिल भी हुए। इस मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि आज अत्यंत शुभ दिन है, अटल जी की जन्मजयंती के दिन आज प्रदेश के 115 शहरों में अटल परिसर का लोकार्पण हुआ है, उन्होने कोरबा में निर्मित अटल परिसर की सराहना करते हुए कहा कि निश्चित रूप से यह सर्वश्रेष्ठ अटल परिसर है। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि डॉ.रमन सिंह ने अपने मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल में प्रदेश के गांव-गांव में अटल चौक का निर्माण कराया था, और अब मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय व उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरूण साव प्रदेश के सभी शहरों में अटल परिसर का निर्माण कराया है। इस मौके पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतरत्न स्व.अटलबिहारी बाजपेयी भारतीय राजनीति के युग पुरूष थे, उन्होने अपने राजनीतिक जीवन में नये आदर्शो को गढ़ा तथा कभी भी अपने सिद्धांतों के साथ कोई समझौता नहीं किया। अटल जी अपने अटल निर्णयों के लिए जाने जाते थे, अटल जी को कभी सत्ता का मोह नहीं था, उनका जीवन देश की सेवा व जनहित के लिए समर्पित था। महापौर श्रीमती राजपूत ने आगे कहा कि निगम द्वारा अटल जी की जन्मजयंती के उपलक्ष्य में विगत 19 दिसम्बर से 25 दिसम्बर तक अपने सभी जोन कार्यालयों में सुशासन दिवस शिविर आयोजित किए गए तथा आमजनता की समस्याओं का निराकरण किया गया। उन्होने कहा कि जनताजनार्दन की समस्याओं का निराकरण कर कोरबा को समस्यामुक्त शहर बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का दिन एक ऐसे जन नेता की जन्मजयंती का दिन है, जिन्होने अपने महान आदर्शो को स्थापित किया तथा इन आदर्शो पर अडिग रहे, उनकी जयंती को हम सुशासन दिवस के रूप में मनाते हैं। आयुक्त श्री पाण्डेय ने निगम द्वारा विगत 19 दिसम्बर से 25 दिसम्बर तक अपने सभी 07 जोन कार्यालयों में आयोजित किए गए

## संपादकीय

# ग्रामीण इलाकों में रोजगार गारंटी की नई व्यवस्था कितनी सहायक साबित होगी?

देश के ग्रामीण इलाकों में ज्यादातर आबादी के लिए रोजी-रोटी का इंतजाम एक बड़ी चुनौती रही है। लंबे समय तक इस समस्या के बने रहने का नतीजा यह हुआ कि विकास एक तरह से विभाजित रहा और एक बड़ा तबका मुख्यधारा में शामिल होने की कोशिशों से भी वंचित रहा। मगर जब से गारंटी के रूप में ग्रामीण इलाकों में रोजगार मुहैया कराने की पहल हुई है, उसके बाद से एक बड़ा फर्क दर्ज किया गया। करीब बीस वर्ष पहले महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून यानी मनरेगा लागू हुआ, तो उसके तहत वर्ष में सौ दिन काम की व्यवस्था से गांव-देहात में रहने वाले परिवारों के सशक्तीकरण में उल्लेखनीय मदद मिली। मनरेगा की अहमियत का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कई बार इसे दुनिया भर में एक सीखने लायक कार्यक्रम के तौर पर भी देखा गया। अब केंद्र सरकार ने मनरेगा का रूप बदल कर उसका नाम 'विकसित भारत-रोजगार गारंटी व आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी 'वीबी- जी राम जी' रखा है और उसमें अब कुछ नए प्रावधान किए गए हैं। इससे संबंधित विधेयक गुरुवार को लोकसभा में पारित हो गया। गौरतलब है कि नई प्रस्तावित व्यवस्था मनरेगा का ही नया स्वरूप होगी, जिसमें ग्रामीण परिवार को सौ दिन के बजाय एक सौ पच्चीस दिनों के रोजगार की गारंटी की बात की गई है। इसके अलावा, खर्च वहन करने, पारिश्रमिक भुगतान और खेती के दिनों के संदर्भ में नए प्रावधानों की वजह से इस योजना के किसानों और मजदूरों, दोनों के लिए काफी फायदेमंद साबित होने की उम्मीद की जा रही है। मनरेगा के तहत जिन लोगों को काम मिलता है, उनकी मजदूरी का लगभग पूरा खर्च केंद्र सरकार उठाती रही है, जबकि सामान आदि का खर्च एक निश्चित अनुपात में राज्य सरकारें उठाती हैं। अब कुछ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को छोड़ कर 'बीवी- जी राम जी' के तहत होने वाले कुल खर्च का साठ फीसद केंद्र सरकार वहन करेगी और चालीस फीसद राज्य सरकारें उठाएंगी। इस योजना के अंतर्गत खेतों में बुआई और कटाई के मौसम में साठ दिनों के दौरान मजदूरों को काम नहीं मिल सकेगा, ताकि खेती-किसानी के काम के लिए मजदूरों की कमी न हो। इसके अलावा, इस काम में भ्रष्टाचार पर लगाम के लिए मजदूरी के भुगतान में बायोमेट्रिक और अन्य आधुनिक तकनीक की मदद ली जाएगी। जाहिर है, बदलावों के बाद अगर रोजगार गारंटी की व्यवस्था ग्रामीण इलाकों के मजदूरों के लिए सहायक सिद्ध हुई, तो बेशक इसे एक सकारात्मक कदम माना जाएगा। देश की ग्रामीण आबादी के हित में प्रथम दृष्टया यह योजना एक बेहतर पहल लगती है। लेकिन इस संदर्भ में विपक्षी दलों की ओर से कई आशंकाएं भी जताई गई हैं। अगर ग्रामीण इलाकों में काम करने की जगह तय करने से लेकर अन्य मामलों में यह योजना केंद्र सरकार द्वारा नियंत्रित और उसकी शर्तों पर आधारित होगी, तो खर्च का जिम्मा राज्यों पर आएगा। ऐसे में इसके नतीजे घोषित दावों के मुकाबले उलट भी आ सकते हैं और इसका काम के अधिकार पर विपरीत असर पड़ सकता है। ग्रामीण इलाकों में रोजगार गारंटी लागू होने के बाद से मनरेगा की अहमियत छिपी नहीं रही है। खासतौर पर कोरोना महामारी के दौरान जब देश भर में गरीब तबकों के लोग भयावह अभाव से जूझ रहे थे, तब मनरेगा उनके लिए जीवन-रेखा साबित हुआ। ऐसे में यह देखने की बात होगी कि नए स्वरूप में ग्रामीण इलाकों के गरीब तबकों के लिए रोजगार गारंटी की नई व्यवस्था कितनी सहायक साबित होगी।

**गोवा अब भी परतंत्रता की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था, तब किसी ने कल्पना नहीं की थी कि भारत के इस छोटे से भूभाग के लोगों के लिए स्वतंत्रता अब भी लगभग डेढ़ दशक दूर है। गोवा के साथ साथ दादर नगर हवेली दमन और दीव क्षेत्र भी पुर्तगाल के अधिकार में थे। गंगा की आरती, घाटों की सीढ़ियाँ, धूप में चमकता जल, शंख-घंटों की ध्वनि बनारस की सुबह का मिजाज कुछ ऐसा ही हुआ करता है। वहीं नज़ाकत, नफ़ासत, ठहराव—इत्र की खुशबू, शायरी, तमीज़दार बातचीत और लखनवी अंदाज़ अवध की शाम को रंगीन बनाता है। इसलिए तो कहा भी जाता है कि जीवन में अगर बनारस की सुबह जैसी शुद्धता और अवध की शाम जैसी नर्मी आ जाए, तो दिन पूरा हो जाता है। बनारस की सुबह और अवध की शाम की चर्चा आपने सुनी है तो मद से भरे गोवा की नाइट लाइफ और ताजगी से भरे सूर्योदय का भी एहसास आपको करना चाहिए।**

# आजादी के 14 साल बाद गोवा के लिए जब चलाया गया था ऑपरेशन विजय

(अभिनय आकाश)

आश्चर्य यह कि भारत की तत्कालीन सरकार इनकी मुक्ति का कोई गंभीर प्रयास करती नहीं दिख रही थी यह व्यवहार एक ऐसे क्षेत्र के साथ जो चार शताब्दी से अधिक समय तक कैथोलिक चर्च के बर्बर अत्याचारों का शिकार बन चुका था धर्म ग्रंथों के अनुसार गोवा भगवान परशुराम की धरती है वहां पर इसे गोमांतक कहा गया है गोवा में कभी इसके ढेरों प्राचीन चिन्ह भी हुआ करते थे लेकिन अधिकांश पुर्तगाली शासन के दौरान मिटा दिए गए वीर सावरकर ने अपने खंड काव्य गोमांतक में पुर्तगाली अत्याचारों का वर्णन किया है महाभारत में गोवा का उल्लेख गोप राष्ट्र अर्थात पालकों के देश के नाम से है 14वीं शताब्दी में यहां पर पहली बार इस्लामी आक्रमणकारियों के पैर पड़े थे लेकिन तब विजयनगर के राजा हरि हर प्रथम ने उन्हें खदेड़ दिया था लेकिन 100 वर्ष बाद फिर से दिल्ली की इस्लामी सल्तनत ने गोवा को अपने चंगुल में ले लिया।

**शुरुआत गोवा के इतिहास से करते हैं-** महाभारत में गोवा का उल्लेख गोपराष्ट्र यानि गोपालकों के देश के रूप में मिलता है। गोवा के लंबे इतिहास की शुरुआत् तीसरी सदी ईसा पूर्व से शुरू होता है जब यहाँ मौर्य वंश के शासन की स्थापना हुई थी। बाद में पहली सदी के शुरुआत में इस पर कोल्हापुर के सातवाहन वंश के शासकों का अधिकार स्थापित हुआ और फिर बादामी के चालुक्य शासकों ने इस पर वर्ष 580 से 750 तक राज किया। इसके बाद के सालों में इस पर कई अलग अलग शासकों ने अधिकार किया। वर्ष 1312 में गोवा पहली बार दिल्ली सल्तनत के अधीन हुआ लेकिन उन्हें विजयनगर के शासक हरिहर प्रथम द्वार वहाँ से खदेड़ दिया गया। 1469 में गुलबर्ग के बहामी सुल्तान द्वारा फिर से दिल्ली सल्तनत का हिस्सा बनाया गया। वर्ष 1510 में गोवा में पुर्तगालियों के कदम

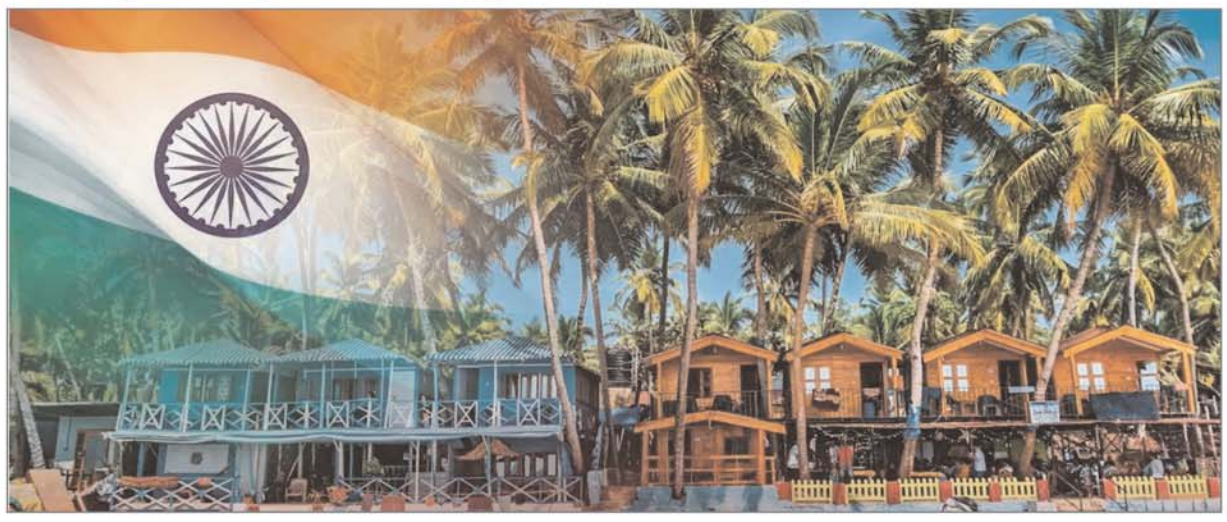

पड़े धीरे-धीरे उन्होंने पूरे क्षेत्र को अपना उपनिवेश बना लिया पुर्तगालियों का सबसे बड़ा उद्देश्य गोवा के सांस्कृतिक चरित्र को बदलना और हिंदु को ईसाई बनाना था इसी के लिए वर्ष 1560 में गोवा इनक्विजिशन की शुरुआत की गई। इनक्विजिशन चर्च द्वारा बनाई एक तरह की न्यायिक संस्था थी जिसका काम हिंदुओं को धर्मांतरण के लिए विवश करना था।

**1946 में लोहिया को नेहरू का साथ क्यों नहीं मिला:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2022 में गोवा में एक रैली के दौरान कहा था कि अगर प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू चाहते तो 1947 में ही कुछ ही घंटों के भीतर गोवा आज़ाद हो जाता। लेकिन कांग्रेस ने 14 वर्षों तक गोवा की आज़ादी के लिए कुछ नहीं किया। राम मनोहर लोहिया (डॉ. लोहिया) गोवा मुक्ति आंदोलन के प्रमुख नेता थे, जिन्होंने 1946 में गोवा में सत्याग्रह शुरू कर पुर्तगाली शासन के खिलाफ संघर्ष की शुरुआत की। इस आंदोलन में महात्मा गांधी का उन्हें स्पष्ट समर्थन मिला, लेकिन जवाहरलाल नेहरू ने साथ नहीं दिया। यह अंतर दोनों नेताओं की विचारधारा, राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और अंतरराष्ट्रीय राजनीति में निहित है। लोहिया ने गोवा को भारत का अभिन्न हिस्सा मानते हुए तत्काल मुक्ति की मांग की, लेकिन नेहरू की कूटनीतिक और शांतिवादी नीति ने उन्हें सैन्य या प्रत्यक्ष समर्थन से रोका। गांधीजी ने लोहिया के गोवा सत्याग्रह को पूर्ण समर्थन दिया क्योंकि यह उनकी अहिंसा और सिविल डिसओबिडिएंस की विचारधारा से मेल खाता था। 1946 में लोहिया ने गोवा में पुर्तगाली शासन के खिलाफ सत्याग्रह शुरू किया, जहां वे नागरिक अधिकारों की मांग कर रहे थे। गिरफ्तार होने

**नेहरू की उदासीनता:** कूटनीति, शांतिवाद और अंतरराष्ट्रीय छवि नेहरू ने लोहिया के सत्याग्रह को समर्थन नहीं दिया क्योंकि उनकी प्राथमिकता अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और शांतिपूर्ण समाधान थी। नेहरू की विदेश नीति गुटनिरपेक्षता और विश्व शांति पर आधारित थी, और वे भारत को एक शांतिवादी राष्ट्र के रूप में पेश करना चाहते थे। गोवा पुर्तगाली उपनिवेश था, और नेहरू को डर था कि सत्याग्रह या सैन्य हस्तक्षेप से भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि प्रभावित होगी। 1946 में लोहिया के सत्याग्रह के समय नेहरू ने कहा कि गोवा समस्या महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत को पहले अपनी स्वतंत्रता पर फोकस करना चाहिए।

**गोवा के भारत में विलय और ऑपरेशन विजय की कहानी:** गोवा के भारत में विलय की कहानी दमन और दीव के भारत में विलय की कहानी भी है। जब भारत के बड़े इलाके पर अंग्रेज हुकूमत कर रहे थे। तब गोवा, दमन और दीव पर पुर्तगाल का शासन था। ये दोनों राज्य यूरोप में भी पड़ोसी थे। गोवा वालों की राजकुमारी कैथरीन और इंग्लैंड के किंग्स चार्ल्स टू से हुई थी। तब पुर्तगालियों ने ही दहेज में अंग्रेजों को मुंबई दी थी।

मुंबई यानी उस वक्त की बम्बई तो आजाद होकर भारत का हिस्सा बन गया। लेकिन गोवा, दमन और दीव में पुर्तगाली जमे रहे। पुर्गताली गोवा को किसी भी कीमत पर छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे। पुर्तगालियों ने आजादी के 14 साल बाद तक गोवा और दमन व दीप पर अपना कब्जा जमाए रखा। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और रक्षा मंत्री मेनन के बार-बार आग्रह करने के बावजूद पुर्तगाली भारत के आगे झुकने को बिल्कुल भी तैयार नहीं थे। उनके खिलाफ स्थानीय लोगों ने विद्रोह किया। गोवा कांग्रेस बनी और आजादी का आंदोलन चलाया गया। भारत में जो कांग्रेस थी उसे उसका साथ मिला। देश आजाद हुआ तो पुर्तगाल से बात शुरू हुई। लेकिन गोवा पर बात करने का पुर्तगाल ने कोई जवाब नहीं दिया। 11 जून 1953 को पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में भारत ने अपने दूतावास बंद किए। फिर पुर्तगाल पर प्रेशर गेम शुरू किया। गोवा, दमन और दीव के बीच आने जाने पर बंदिशें लग गई। 15 अगस्त 1955 को तीन से पांच हजार आम लोगों ने गोवा में घुसने की कोशिश की। लोग निहत्थे थे और पुर्तगाल की पुलिस ने गोली चला दी। 30 लोगों की जान चली गई। तनाव बढ़ने के बाद गोवा पर सेना की चढ़ाई की तैयारी की गई। 1 नवंबर 1961 में भारतीय सेना के तीनों अंगों को युद्ध के लिए तैयार रहने को कहा। भारतीय सेना ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने के साथ आखिरकार दो दिसंबर को गोवा मुक्ति का अभियान शुरू कर दिया। जमीन से सेना, समुद्र से नौसेना और हवा से वायुसेना गई। इसे ऑपरेशन विजय का नाम दिया गया। बता दें कि 1999 के करगिल युद्ध को भी ऑपरेशन विजय का नाम दिया गया था। लेकिन ये सेना का पहला ऑपरेशन विजय पुर्तगालियों के खिलाफ हुआ था।

# विश्व कप सपना, घरेलू सत्र भी अधर में, 140 करोड़ आबादी, फिर क्यों फेल फुटबॉल?

(आलोक श्रीवास्तव)

राज्यसभा में भारतीय फुटबॉल के गिरते स्तर को लेकर गंभीर सवाल उठे।

158 हजार आबादी वाले कुराकाओ के विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने के उदाहरण के साथ सरकार से पूछा गया कि भारत के लिए दीर्घकालिक योजना क्या है और जमीनी स्तर पर प्रतिभा को बढ़ाने के लिए क्या किया जा रहा है।

भारतीय फुटबॉल के भविष्य का मुद्दा गुरुवार को गुरुवार 18 दिसंबर 2025 को राज्यसभा में भी उठाया गया। कुराकाओ जैसे छोटे देश के

विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने का हवाला देते हुए कांग्रेस के जोस के मणि ने खेल मंत्री मनसुख मांडविया से इस खेल के लिए सरकार की दीर्घकालिक योजना के बारे में पूछा।

**लगातार गिर रहा भारतीय फुटबॉल का स्तर-** भारत में फुटबॉल का स्तर लगातार गिर रहा है तथा व्यावसायिक साझेदार नहीं मिलने के कारण इस साल अब तक घरेलू सत्र भी शुरू नहीं हो पाया है। केरल का प्रतिनिधित्व करने वाले मणि ने पूछा कि क्या सरकार ने इस बात पर गौर किया है कि 158000 की आबादी वाले कुराकाओ ने हाल ही में अगले साल होने वाले फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर लिया है। जोस के मणि ने यह भी पूछा कि क्या सरकार के पास ऐसी कोई दीर्घकालिक योजनाएं हैं, जिससे भारत को विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने में मदद मिले। उन्होंने जानना चाहा कि देश में फुटबॉल प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए जमीनी स्तर पर क्या कदम उठाए गए हैं।

**विश्व कप के लिए क्वालिफाई करना एआईएफएफ की जिम्मेदारी-** मनसुख मांडविया ने कुराकाओ का जिक्र किए बिना जवाब दिया, 'विश्व कप के लिए क्वालिफाई करना फुटबॉल की विश्व में सर्वोच्च संस्था फीफा के तय मानदंडों पर आधारित है। विश्व कप या विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए कदम उठाने समेत किसी विशिष्ट खेल के विकास की जिम्मेदारी संबंधित राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) की होती है।' जोस के मणि ने कहा, 'अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को देश में फुटबॉल खेल को बढ़ावा देने के लिए खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल महासंघ के रूप में मान्यता दी है। एआईएफएफ ने सूचित किया है कि उसके पास फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने के लिए दीर्घकालिक योजना है, जिसमें पुरुष और महिला दोनों राष्ट्रीय टीमों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।' डेढ़ लाख की आबादी वाले कुराकाओ ने रचा इतिहास कुराकाओ कुल क्षेत्रफल और जनसंख्या दोनों के मामले में विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने वाला सबसे छोटा देश बन गया है। इसके विपरीत करीब डेढ़ अरब आबादी होने बावजूद भारत इस खेल में लगातार खराब प्रदर्शन कर रहा है।

**खेलो इंडिया को लेकर सवाल-** मनसुख मांडविया से सरकार की खेलो इंडिया योजना की प्रगति के बारे में भी पूछा गया।

# वायु प्रदूषण का एक बड़ा कारण बिना आवश्यकता कपड़े खरीदना भी है..!

**वैज्ञानिक अध्ययनों से यह स्पष्ट हो चुका है कि वायु प्रदूषण केवल धुंध या दृश्यता की समस्या नहीं है, बल्कि यह एक गंभीर स्वास्थ्य संकट है। सूक्ष्म प्रदूषक कण, विशेष रूप से पीएम 2.5, फेफड़ों, हृदय और मस्तिष्क पर दीर्घकालिक प्रभाव डालते हैं। वायु प्रदूषण अब किसी एक शहर या क्षेत्र तक सीमित समस्या नहीं रह गया है। यह एक राष्ट्रीय संकट का रूप ले चुका है, जिसकी जड़ें हमारी उत्पादन और उपभोग की आदतों में गहराई से जुड़ी हुई हैं। आज प्रदूषण की चर्चा होते ही ध्यान वाहनों, उद्योगों या पराली जलाने पर चला जाता है, जबकि असल प्रश्न यह है कि इन सबके पीछे ऊर्जा और संसाधनों की बढ़ती मांग क्यों है? यह मांग सीधे तौर पर हमारे उपभोग से पैदा होती है। जितना अधिक उपभोग, उतना अधिक उत्पादन और उतना ही अधिक कार्बन उत्सर्जन।**

(विनोद पाठक)

सर्दियों में स्थिति इसलिए और बिगड़ जाती है, क्योंकि तापमान उलटाव के कारण प्रदूषक हवा में ऊपर नहीं उठ पाते, लेकिन यह केवल मौसम की समस्या नहीं है। यदि उत्सर्जन का स्तर कम हो तो मौसम की भूमिका उतनी घातक नहीं बनती। इसलिए मूल समाधान उत्सर्जन घटाने में ही निहित है।

सरकार द्वारा उठाए गए आपात कदम, जैसे ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान, वाहनों पर प्रतिबंध, निर्माण कार्य रोकना, तत्काल राहत तो देते हैं, लेकिन वे बीमारी का इलाज नहीं, केवल लक्षणों को नियंत्रित करते हैं।

स्थायी समाधान तभी संभव है, जब कार्बन उत्सर्जन के स्रोतों पर दीर्घकालिक नियंत्रण हो और इसके लिए उपभोग के पैटर्न को बदलना अनिवार्य है। कम उपभोग का अर्थ अभाव नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण उपयोग है। उदाहरण के लिए कपड़ों का अत्यधिक उपयोग, फैशन उद्योग वैश्विक कार्बन उत्सर्जन का बड़ा हिस्सा है।

एक कपड़े के उत्पादन से लेकर उसके परिवहन तक भारी मात्रा में ऊर्जा, पानी और रसायनों का उपयोग होता है। यदि लोग आवश्यकता अनुसार कपड़े खरीदें, लंबे समय तक उनका उपयोग करें और बार-बार फैशन बदलने की प्रवृत्ति को सीमित करें तो उत्पादन की मांग घटेगी और कार्बन उत्सर्जन में स्वतः कमी आएगी।

बिजली का उपयोग भी कार्बन उत्सर्जन से सीधे जुड़ा है। भारत में अब भी बिजली उत्पादन का बड़ा हिस्सा कोयले पर आधारित है। हर अनावश्यक लाइट, एसी या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अधिक कोयला जलाने की मांग पैदा करता है।

बिजली की बचत केवल आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि पर्यावरणीय जिम्मेदारी है। ऊर्जा दक्ष उपकरणों का उपयोग और संयमित बिजली खपत कार्बन उत्सर्जन को कम करने का सबसे सरल उपाय है। इसी तरह, परिवहन क्षेत्र में कम उपभोग का सिद्धांत अत्यंत प्रभावी है।

निजी वाहनों का अत्यधिक प्रयोग ईंधन की खपत बढ़ाता है

और प्रदूषण को कई गुना कर देता है। सार्वजनिक परिवहन, पैदल चलना, साइकिल का उपयोग और कार-पूलिंग न केवल ईंधन बचाते हैं, बल्कि शहरों को रहने योग्य भी बनाते हैं। हर वह यात्रा जो वाहन के बिना संभव है, सीधे कार्बन उत्सर्जन में कमी लाती है।

घरेलू स्तर पर कचरे का प्रबंधन भी उपभोग से जुड़ा विषय है। जितना अधिक उपभोग, उतना अधिक कचरा। कचरा जलाने से निकलने वाला धुआं वायु प्रदूषण को और गंभीर बनाता है। कम खरीद, पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण जैसी आदतें प्रदूषण रोकने में निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं।

पानी की बचत भी कार्बन उत्सर्जन से अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी है। पानी की आपूर्ति और शुद्धीकरण में भारी मात्रा में ऊर्जा लगती है। कम पानी उपयोग करने का अर्थ है कम ऊर्जा खपत और कम उत्सर्जन।

स्पष्ट है कि वायु प्रदूषण की लड़ाई केवल नीति, कानून या आपात उपायों से नहीं जीती जा सकती। यह जीवनशैली में परिवर्तन की मांग करती है। जब तक समाज यह स्वीकार नहीं करता कि अनियंत्रित उपभोग ही प्रदूषण की जड़ है, तब तक समाधान अधूरा रहेगा।

कम उपभोग का विचार हमें विकास से पीछे नहीं ले जाता, बल्कि टिकाऊ विकास की ओर ले जाता है। यह विचार बताता है कि बेहतर जीवन का अर्थ अधिक वस्तुएं नहीं, बल्कि स्वस्थ पर्यावरण है। कार्बन उत्सर्जन को घटाने का रास्ता सरकार की योजनाओं से होकर जरूर जाता है, लेकिन उसका अंतिम पड़ाव आम आदमी के दैनिक निर्णयों में ही तय होता है। स्वच्छ हवा किसी एक शहर की मांग नहीं, पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है।

### आत्मसमर्पित माओवादियों ने कलेक्टर से अपनी मांगों और समस्याओं से अवगत कराया

# पुनर्वास केंद्र नारायणपुर का कलेक्टर ने निरीक्षण कर लिया व्यवस्थाओं का जाएगा

**नारायणपुर।** कलेक्टर नम्रता जैन ने एजुकेशन हब गरांजी स्थित पुनर्वास केंद्र नारायणपुर का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं और सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आत्मसमर्पित माओवादियों के साथ बैठकर संवाद किया और पुनर्वास केंद्र में उपलब्ध खेल सामग्री, प्रशिक्षण, दैनिक दिनचर्या, भोजन, पेयजल, शिक्षा, मानदेय राशि तथा उनकी रुचियों और समस्याओं की जानकारी ली। आत्मसमर्पित माओवादियों ने कलेक्टर से खुले मन से बातचीत करते हुए अपनी मांगों और समस्याओं से अवगत कराया। कलेक्टर जैन ने खेल गतिविधियों की जानकारी लेते हुए फुटबॉल, बैडमिंटन और कैरम जैसी खेल सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रशिक्षण व्यवस्था की समीक्षा के दौरान उन्होंने आरएसईटीआई के माध्यम से सिलाई, कृषि, राजमिस्त्री अथवा ड्राइविंग जैसे रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण अतिशीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। पढ़ाई के लिए शिक्षक की मांग पर कलेक्टर ने दो दिवस के भीतर शिक्षक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आधार कार्ड, राशन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र और मतदाता परिचय पत्र जैसे आवश्यक दस्तावेजों की स्थिति की जानकारी ली तथा जिन आत्मसमर्पित माओवादियों के मतदाता परिचय पत्र नहीं बने हैं, उनके शीघ्र निर्माण के निर्देश तहसीलदार को दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सभी से उनकी रुचियों के बारे में भी जानकारी ली, जिस पर चैते फददा एवं समूह द्वारा गोंडी भाषा में गीत प्रस्तुत किया गया। कलेक्टर ने शैक्षणिक स्थिति का आकलन करते हुए बोर्ड पर नाम लिखने और जोड़-घटाव करने को कहा, जिस पर अधिकांश आत्मसमर्पित माओवादियों ने उत्साहपूर्वक अभ्यास कर दिखाया। उन्होंने पुनर्वास केंद्र के नोडल अधिकारी को परिसर में शैक्षणिक पोस्टर लगाने, शौचालयों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने, आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराने और केंद्र का निरंतर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया कि शासन की पुनर्वास नीति के तहत सभी पात्र आत्मसमर्पित माओवादियों को मोबाइल तथा जिनका मानदेय लंबित है, उन्हें शीघ्र मानदेय राशि प्रदान की जाएगी। कलेक्टर नम्रता जैन ने पुनर्वास केंद्र के मेस का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता की जांच की और कार्यरत महिला समूह से मेनू चार्ट की जानकारी लेते हुए गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी नहीं होने देने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला छात्रावास का भी निरीक्षण किया और शौचालयों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने को कहा। निरीक्षण के दौरान रोजगार अधिकारी मानक लाल अहिरवार, नारायणपुर तहसीलदार सौरभ चौरसिया सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

# साईं जन्मोत्सव धूमधाम से संपन्न शोभायात्रा व विशाल भंडारे का आयोजन

**कोण्डागांव।** जिला मुख्यालय कोण्डागांव के विकास नगर स्थित साईं मंदिर में साईं जन्म उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रातःकाल मंदिर में विधिवत काकड़ आरती के पश्चात भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा विकास नगर से प्रारंभ होकर बस स्टैंड, जय स्तंभ चौक होते हुए पुनः साई मंदिर परिसर पहुंची। शोभायात्रा के दौरान साई भक्त भजन दृ कीर्तन करते हुए जयकारे लगाते नजर आए, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। इसके पश्चात मंदिर परिसर में दोपहर भोग आरती संपन्न हुई। भोग आरती के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। साईं जन्मोत्सव के दौरान मंदिर परिसर सहित आसपास का क्षेत्र साईं भक्ति में डूबा रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिला-पुरुष एवं युवा भक्त शामिल हुए। आयोजन को सफल बनाने में साईं मंदिर समिति एवं साईं भक्तों का सराहनीय योगदान रहा।

## सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य के लिए किरन्दुल अध्यक्ष ने किया भूमि पूजन

**किरंदुल।** किरन्दुल वार्ड क्रमांक 03 देवेश मंडल के घर के पास नवीन सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य हेतु पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह एवं वार्ड पार्षद के द्वारा विधिवत रूप से पूजा अर्चना कर भूमि पूजन किया गया।बता दें कि यह सीसी सड़क एवं नाली लगभग 10 मीटर लम्बा हैं जो देवेश मंडल के घर से प्रताप के घर तक बनाया जाएगा।यह कार्य शासन द्वारा स्वीकृत विकास योजनाओं के अंतर्गत कराया जा रहा है,जिससे स्थानीय नागरिकों को आवागमन एवं जल निकासी की समस्याओं से राहत मिलेगी।इस दौरान अध्यक्ष ने कहा कि जनहित में हर आवश्यक कार्य को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराया जाएगा।यह सड़क और नाली निर्माण क्षेत्र की पुरानी मांग थी, जो अब पूरी होने जा रही है और विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य कराया जाएगा। इस दौरान सीएमओ शशि भूषण महापात्र, पार्षद यशोदा चुन्नम, बी रूपा रानी के साजी, थॉमस बाबू दुर्गम, गायत्री साहू, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह एवं समस्त वार्डवासी उपस्थित थे।

# वारदात : 2 भाइयों ने मिलकर रची थी लछिन्दर पांडे के हत्या की साजिश, दूसरा आरोपी रामु भी हुआ गिरफ्तार

- कुल्हाड़ी से सिर धड़ से अलग करते वीडियो बनाया, सिर 8 किलोमीटर दूर किया था दफन

**केशकाल।** केशकाल अनुविभाग के विश्रामपुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चनाभर्री के जंगल मे 6 दिसंबर को मिली सिरकटी लाश की गुत्थी अब पूरी तरह सुलझ गई है। विश्रामपुरी पुलिस ने इस हत्याकांड के दूसरे आरोपी रामु नेताम को भी गिरफ्तार कर लिया है। केशकाल एसडीओपी अरुण नेताम ने इस अंधे कत्ल की गुत्थी का खुलासा करते हुए बताया कि किस तरह से राशन दुकान में हुए मामूली विवाद के चलते दो सगे भाइयों ने मिलकर लछिन्दर पांडे के हत्या की साजिश रची। और फिर एक सुनसान जंगल मे लेजाकर कुल्हाड़ी से उसका सिर धड़ से अलग कर दिया। आरोपियों ने शरीर जंगल मे ही छोड़ दिया और सिर को लगभग 8 किलोमीटर दूर एक जंगल मे छुपा दिया था। आरोपियों ने इस पूरे घटनाक्रम का लाइव वीडियो भी बनाया था। इस मामले में विश्रामपुरी पुलिस व सायबर सेल की टीम ने 8 दिसंबर को मुख्य आरोपी श्यामलाल नेताम को गिरफ्तार कर लिया था। वही घटना दिनांक से लगातार फरार चल रहे रामू नेताम को भी पुलिस ने बुधवार को धमतरी जिले के खैरभर्री गांव से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी से हुई पूछताछ में उसने अपने बड़े भाई श्यामलाल के साथ मिलकर लछिन्दर पांडे की हत्या करना स्वीकार किया है। फिलहाल आरोपी रामु नेताम को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

**जानिए क्या है पूरा मामला-**

दरअसल दिनांक 6 दिसम्बर को विश्रामपुरी पुलिस को चनाभर्री के जंगल मे अज्ञात शव दिखने की सूचना मिली थी जिसका सिर गायब था। उक्त मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के निर्देशानुसार एडिशनल एसपी कौशलेन्द्र देव पटेल के मार्गदर्शन में केशकाल एसडीओपी अरूण नेताम के नेतृत्व में टीम गठित कर मर्ग जांच प्रारंभ किया गया था। घटनास्थल की बारीकी से छानबीन करने और आसपास गांव के लोगों से पूछताछ करने पर शव के कपड़े के आधार पर मृतक की पहचान बाड़ागांव निवासी लच्छिन्दर पाण्डे के रूप में हुई थी। चूंकि मृतक का सर धड़ से गायब था, जिससें प्रथम दृष्टया हत्या होना प्रतीत हो रहा था। जिस पर टीम के द्वारा हत्या के कारण, मृतक का सर एवं हत्यारे के संबंध में पता तलाश प्रारंभ किया गया था।

### साप्ताहिक बाजार में हुआ था मामूली विवाद

एसडीओपी अरुण नेताम ने बताया कि लच्छिन्दर पाण्डेय का विश्रामपुरी साप्ताहिक बाजार मे श्यामलाल नेताम एवं रामु नेताम के साथ झगड़ा हुआ था। जिसके बाद से मृतक दिखाई नही दिया है, संदेह के आधार पर श्यामलाल नेताम को तलब कर पुछताछ प्रारंभ किया गया, जो लच्छिन्दर पाण्डेय को नही जानना बता रहा था। जब कड़ाई से पुछताछ किया तो श्यामलाल ने बताया कि दिनांक 28 नवंबर को बाड़ागांव सोसायटी में उनके बीच किसी बात को लेकर वाद विवाद हुआ था। जिसके कारण दोनों भाइयों श्यामलाल और रामु ने मृतक के प्रति आपसी रंजीश पाल लिया था, और यह रंजिश ही हत्या का मुख्य कारण बनी।

### चन्द घण्टों में बरामद हुआ मृतक का सिर और हथियार

*विश्रामपुरी पुलिस ने आरोपी के निशानदेही पर मृतक के सर एवं हत्या में प्रयुक्त टंगीया को विधिवत जप्त किया गया था। आरोपी श्यामलाल नेताम के द्वारा हत्या करना स्वीकार्य करने पर गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है जहॉ से रिमांड पर जेल भेजा गया था। वहीं दूसरे आरोपी रामू नेताम पिता गंगाराम नेताम उम्र 24 वर्ष निवासी कुररूभाट थाना विश्रामपुरी को विधिवत गिरफ्तार करते हुए न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।*

### इनकी रही अहम भूमिका

*सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी उ.नि. विनोद नेताम, सउनि. रमेष निषाद, प्रधान आर. मंगेश मंडावी, सियाराम मरापी, आर. जम्मू मरकाम, रमेश नेताम एवं शिवनाथ बर्वे का विशेष योगदान रहा।*

# आदिवासी बहुल डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम भैंसबोड़ में आयोजित 'प्रशासन गांव की ओर' शिविर में उमड़ा ग्रामीणों का हुजुम

**दल्लीराजहरा।** केन्द्र सरकार के द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जयंती के अवसर पर 19 से 25 दिसंबर तक आयोजित सुशासन सप्ताह 2025 के अंतर्गत आदिवासी बहुल डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम भैंसबोड़ में आयोजित 'प्रशासन गांव की ओर' शिविर में ग्रामीणों का हुजुम उमड़ पड़ा। ग्राम भैंसबोड़ में आयोजित समारोह में जनप्रतिनिधियों के अलावा अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्राम पंचायत भैंसबोड़ सहित आसपास के अनेक ग्राम पंचायतों से बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन शामिल हुए। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य एथेलेटिक्स संघ के उपाध्यक्ष सौरभ लुनिया उपस्थित थे। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद उपाध्यक्ष भोलाराम नेताम, जनप्रतिनिधि धर्मेन्द्र गड़ियों के अलावा एसडीएम सुरेश साहू, तहसीलदार देवेन्द्र नेताम, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डीडी मण्डले, ग्राम पंचायत भैंसबोड़ के सरपंच चित्रकांत ठाकुर सहित आसपास के ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। इस अवसर पर अतिथियों के द्वारा शिविर में उपस्थित हितग्राहियों को शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित भी कराया गया। इसके अलावा शिविर में विधि-विधान के साथ मंत्रोच्चार कर तथा नन्हें-मुन्हें बच्चों को स्वादिष्ट खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन कराया गया। इसके अलावा जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे कुपोषण मुक्ति अभियान के अंतर्गत नन्हें-मुन्हें बच्चों को सुपोषण किट भी प्रदान किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के द्वारा शिविर में उपस्थित 110 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाइयां वितरित भी की गई। उल्लेखनीय है कि भैंसबोड़ शिविर में विभिन्न विभागों से प्राप्त कुल 149 आवेदनों में से 76 आवेदनों को मौके पर ही निराकृत किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य एथेलेटिक संघ के उपाध्यक्ष सौरभ लुनिया 'प्रशासन गांव की ओर' शिविर के आयोजन के महत्व एवं उद्देश्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। लुनिया ने केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाले छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा राज्य में सत्ता की बागडोर संभालने के तत्काल बाद से ही आम जनता से किए हुए प्रत्येक वायदों को पूरा करने का कार्य प्रारंभ किया है।

# अटल बिहारी बाजपेयी की 101वीं जयंती पर अटल परिसर का भव्य लोकार्पण

**किरंदुल।** भारत रत्न, श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी जी की 101वीं जयंती के पावन अवसर पर किरंदुल नगर पालिका परिषद के द्वारा अटल परिसर का भव्य लोकार्पण किया गया, यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ प्रदेश स्तर पर वर्चुअल माध्यम से आयोजित हुआ,जिसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने वर्चुअल माध्यम से पूरे प्रदेश में कुल 115 अटल परिसरों का एक साथ लोकार्पण किया। प्रदेशव्यापी इस ऐतिहासिक आयोजन की कड़ी में किरंदुल नगर में भी अटल परिसर का विधिवत लोकार्पण किया गया, इस अवसर पर अटल बिहारी बाजपेयी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं वैदिक विधि से पूजन-अर्चन कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया, कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह,गौ सेवा आयोग के ब्लॉक अध्यक्ष रामकृष्ण बैरागी, नगर पालिका परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) शशि भूषण महापात्र, पूर्व पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह, अमरीक सिंह, पालिका इंजीनियर तीरथराम सिन्हा, संजय मार्कण्डेय एवं नगर पालिका परिषद के सभी सदस्य, किरंदुल नगर के समस्त वार्ड पार्षदगण उपस्थित रहें। इसके साथ ही नगर के नागरिक, सामाजिक प्रतिनिधि एवं पत्रकारगण उपस्थित रहें।इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी जी के राष्ट्र निर्माण में दिए गए अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी, कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए, जिससे आयोजन की गरिमा और भव्यता और बढ़ गई। नगरवासियों एवं जनप्रतिनिधियों ने अटल परिसर के निर्माण को किरंदुल नगर के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए खुशी व्यक्त की, उन्होंने कहा कि यह परिसर आने वाली पीढ़ियों को अटल बिहारी बाजपेयी जी के विचारों, आदर्शों और राष्ट्रसेवा की भावना से प्रेरित करेगा।

## सुशासन दिवस पर अटल परिसर का हुआ वर्चुअल उद्घाटन, विधायक नीलकंठ टेकाम हुए शामिल

**केशकाल।** केशकाल में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत सुशासन दिवस के अवसर पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पुराना बस स्टैंड, केशकाल में नवनिर्मित अटल परिसर का वर्चुअल उदघाटन प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के करकमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर केशकाल विधानसभा के विधायक नीलकंठ टेकाम विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान उपस्थित जनसमूह ने अटल जी के विचारों को स्मरण करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। विधायक नीलकंठ टेकाम ने इस अवसर पर कहा कि अटल परिसर न केवल स्व.अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों और योगदान का प्रतीक है, बल्कि यह केशकाल नगर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार सुशासन और जनकल्याण के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। अटल परिसर के उद्घाटन से क्षेत्र में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक गतिविधियों को नया आयाम मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

# अटल परिसर का मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से किया लोकार्पण

**कोण्डागांव।** भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की 101वीं जयंती के अवसर पर कोंडागांव नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत बंधा तालाब गार्डन के पास 30 लाख रुपये की लागत से निर्मित अटल परिसर का मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया गया, जहां उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन विभाग के भारसाधक मंत्री सहित अन्य विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के कुल 115 नगरीय निकायों में निर्मित अटल परिसरों का एक साथ वर्चुअल लोकार्पण किया गया। कोंडागांव में आयोजित स्थानीय लोकार्पण कार्यक्रम नगरपालिका अध्यक्ष नरपति पटेल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी जयंती पर नमन किया तथा देश के विकास में उनके उल्लेखनीय योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि अटल जी सादगी, विनम्रता के धनी व्यक्तित्व के साथ ओजस्वी वक्ता थे। उनके नेतृत्व में सड़क, पुल-पुलिया सहित अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से देश के विकास को नई दिशा मिली। साथ ही पोखरण में परमाणु परीक्षण कर उन्होंने देश को वैश्विक स्तर पर सशक्त बनाया। नगर पालिका उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी ने भी अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हुआ, जिससे वर्षों पुरानी जनआकांक्षाएं पूर्ण हुई। कार्यक्रम को मनोज जैन एवं दीपेश अरोरा ने भी संबोधित किया। सुशासन दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से नगरवासियों का स्वास्थ्य जांच किया गया।

# मुक्तिधाम में नगर सेना का श्रमदान, नवपदस्थ 40 महिला जवानों ने दिया स्वच्छता का संदेश

**कोण्डागांव।** मुक्तिधाम परिसर में नगर सेना के जवानों द्वारा श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर सेना में नव पदस्थ 40 महिला नगर सेना दल ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। नगर सेना प्रभारी भान सिंह मार्को के नेतृत्व में जवानों ने मुक्तिधाम परिसर में उगी जंगली घासों की कटाई-छटाई की तथा चारों ओर फैली गंदगी की साफ-सफाई की। श्रमदान के माध्यम से नगर सेना के जवानों ने स्वच्छता का संदेश देते हुए आम नागरिकों से भी सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने की अपील की। नगर सेना की नव पदस्थ महिला जवानों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान कर सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान मुक्तिधाम परिसर को साफ-सुथरा बनाकर श्रद्धालुओं एवं नागरिकों के लिए बेहतर वातावरण तैयार किया गया।

## संक्षिप्त समाचार

### दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल द्वारा नैनपुर में आधुनिक कैरिज एवं वैगन कार्यालय की स्थापना



**बिलासपुर।** रेल परिचालन की सुरक्षा एवं गुणवत्ता को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल द्वारा नैनपुर में एक आधुनिक कैरिज एवं वैगन कार्यालय की स्थापना की गई है। इस नवीन कार्यालय से कोच एवं वैगनों के निरीक्षण, अनुरक्षण एवं रख-रखाव कार्यों को और अधिक व्यवस्थित, तेज़ एवं प्रभावी बनाया जाएगा। यह परियोजना श्री दीपक कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, नागपुर के मार्गदर्शन में तथा श्री अर्पित सरन, वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) एवं श्री नेहल नारायणे, मंडल अभियंता (उत्तर) के नेतृत्व में सफ्लतापूर्वक पूर्ण की गई है। नवस्थापित ष्ट×ङ्ख कार्यालय में कर्मचारियों के लिए आधुनिक कार्य परिसर, आवश्यक आधारभूत सुविधाएं एवं बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराया गया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस कार्यालय के माध्यम से कोच एवं वैगनों की निरंतर निगरानी, समयबद्ध निरीक्षण तथा त्वरित रख-रखाव संभव हो सकेगा, जिससे तकनीकी विफ्लताओं में कमी आएगी और रेल सेवाओं की सुरक्षा एवं विश्वसनीयता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इसके परिणामस्वरूप यात्रियों को सुरक्षित, सुचारु एवं समयनिष्ठ रेल सेवाएं उपलब्ध होंगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल द्वारा अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण एवं कर्मचारियों के कार्य वातावरण को बेहतर बनाने की दिशा में उठाया गया यह कदम, यात्री-केंद्रित एवं सुरक्षित रेल संचालन के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

### बिलासपुर नागरिक सहकारी बैंक की निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ

**बिलासपुर।** बिलासपुर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड के संचालक मंडल के निर्वाचन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आज कार्यालय में 18 नाम निदेशन पत्र प्राप्त हुए। नियोजन पत्रों की जांच 29 दिसम्बर को होगी एवं नाम वापसी 30 दिसम्बर को किये जा सकते है। विशेष साधारण सम्मेलन में मतदान एवं मतगणना 4 जनवरी को सवेरे 9 बजे से 4 बजे तक होगा। निर्वाचित संचालको की प्रथम बैठक 10 जनवरी को होगी, जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं प्रतिनिधियों का निर्वाचन रिटर्निंग अधिकारी की अध्यक्षता में किया जाएगा।

### कोचिंग के लिए चयन परीक्षा रायपुर में 28 दिसम्बर को

**बिलासपुर।** यूपीएससी द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी हेतु संचालित कोचिंग में पढ़ाई हेतु अभ्यर्थियों के चयन के लिए परीक्षा 28 दिसम्बर को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक राजधानी रायपुर में निर्धारित परीक्षा केंद्रों में आयोजित होगा। राजीव युवा उत्थान योजना के अंतर्गत इच्छुक अभ्यर्थियों से इसके लिए पूर्व में ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये गये थे। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों को अभिलेखों के अभाव में परीक्षा में बैठने हेतु अपात्र किया गया है, उन्हें प्रावधिक रूप से उक्त परीक्षा में बैठने की अनुमति प्रदान की गई है। इस संबंध में और विस्तृत जानकारी के लिए विभाग की वेबसाईट 222.हृह्वड्डड्डद्य.ष्द्द.द्दश्1.द्बठ्ठ का अवलोकन कर सकते है।

### सड़क निर्माण के लिए भू-अर्जन हेतु समाघात दल ने की अनुशंसा

**बिलासपुर।** जिले के रतनपुर तहसील के ग्राम रतनपुर में हेलीपेड से बादल महल तक सड़क निर्माण के लिए भूमि का अर्जन किया जाना है। सामाजिक समाघात दल ने ग्राम रतनपुर में भू-अर्जन से पड़ने वाले प्रभाव का आंकलन किया। मूल्यांकन में पाया गया कि रतनपुर में भू-अर्जन से 0.12 एकड़ भूमि प्रभावित हो रही है जिसका समाघात दल ने क्षेत्रवासियों से भी सहमति लिया और पाया कि अर्जित भूमि से कोई मकान आदि प्रभावित नहीं हो रहा है और न ही किसी भी परिवार के विस्थापन की संभावना है। सामाजिक समाघात दल द्वारा यह पाया गया है कि अधोसंरचना पर कोई बाधा नहीं है तथा अधोसंरचना का कार्य प्रभावित नहीं हुआ है। समाघात दल इस बात से संतुष्ट है कि लोक निर्माण विभाग को जितनी भूमि की आवश्यकता है उतनी ही भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है।

संभागायुक्त सुनील जैन ने ली राजनीतिक दलों की बैठक

# छूटे मतदाताओं का नाम जुड़वाने में मदद करें बीएलए

**बिलासपुर।** चुनाव आयोग के रोल आब्जर्वर एवं संभागायुक्त श्री सुनील जैन ने एसआईआर को लेकर मंथन सभाकक्ष में राजनीतिक दल के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। उन्होंने कहा कि एसआईआर का उद्देश्य त्रुटिरहित एवं स्वच्छ मतदाता सूची तैयार किया जाना है। एक भी पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल होने से छूटना नहीं चाहिए तथा कोई भी अपात्र मतदाता का नाम इसमें जुड़ना नहीं चाहिए। इसे देखना एवं निगरानी करना चुनाव आयोग के साथ-साथ राजनीतिक दलों की भी जिम्मेदारी है। इसलिए बखूबी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने का आग्रह उन्हें किया गया। बैठक में कलेक्टर संजय अग्रवाल सहित भाजपा, कांगेस, बसपा, माकपा और आप राजनीतिक दल के पदाधिकारी मौजूद थे। संभागायुक्त श्री जैन ने बैठक में अवगत कराया कि भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के द्वारा जारी कार्यक्रम अनुसार दिनांक 23.12.2025 को निर्वाचक नामावलियों का प्रारंभिक प्रकाशन कर दिया गया है। जिसके अनुसार बिलासपुर जिले के अंतर्गत पेण्ड्रा एवं पथरिया सहित कुल 2028 मतदान केन्द्रों में कुल पुरुष मतदाताओं की संख्या 667939, कुल महिला मतदाताओं की संख्या 644230, तृतीय लिंग 54 मिलाकर कुल 13,12,223 मतदाता दर्ज है। मतदाता सूची में से मृत्यु 71769, स्थानांतरण 169397, अनुपस्थित 102471, पूर्व से दर्ज 17727 एवं अन्य कारणों से 2183 कुल 363547 मतदाता कम हुए हैं। रोल आब्जर्वर ने अवगत कराया कि निर्वाचक नामावली में कुल जनसंख्या का 62 से 63 प्रतिशत मतदाता होने चाहिए जो कि वर्तमान में 61 प्रतिशत से अधिक है। सभी 18 से अधिक आयु के नागरिकों एवं नवविवाहित महिलाओं का नाम अनिवार्य रूप से मतदाता सूची में जुड़ना चाहिए। निर्वाचक नामावली में नाम जोड़ने, विलोपित करने एवं सुधार करने की प्रक्रिया प्रगति में है। एएसडी मतदाता की सूची को बीएलओ के द्वारा बीएलए को प्रदाय किया गया है, उक्त सूची का द्ग्यद्गष्ह्लद्बश्ठ्ठ.ष्द्द.द्दश्1.द्बठ्ठ लिंक के माध्यम से देखा जा सकता है। एएसडी सूची में दर्ज मतदाता आयोग द्वारा निर्धारित प्रारूप 06 के साथ वैध दस्तावेज के साथ आवेदन देकर स्वयं का नाम मतदाता सूची में दर्ज करवा सकता है। पात्र का नाम मतदाता सूची में जोड़ने हेतु बीएलए की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इस हेतु सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के द्वारा बीएलए नियुक्त करने स्मरण कराया गया। मतदाता जिस क्षेत्र में निवास कर रहा है उसी क्षेत्र के मतदाता सूची में उसका नाम नियमानुसार सम्मिलित होना चाहिए। वोटर्स हेल्प लाईन ऐप के माध्यम से भी मतदाता स्वयं का नाम जोडने के लिए आवेदन कर सकता है। इसके लिए आयोग द्वारा निर्धारित 13 प्रकार के वैध दस्तावेजों की सूची प्रदाय की गई। विदेश में रह रहे नागरिकों के लिए ऑन लाईन आवेदन कर नाम जुडवाने की सुविधा आयोग से प्रदान की गई है। सेवा मतदाताओं की मतदाता सूची के प्रकाशन की जानकारी प्रदाय की गई। उपस्थित राजनैतिक दल के प्रतिनिधियों, जन प्रतिनिधि के प्रतिनिधियों को निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में सशोधित कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

## कमिश्नर सुनील जैन ने पीपरतराई धान खरीदी केन्द्र की जांच के दिए निर्देश

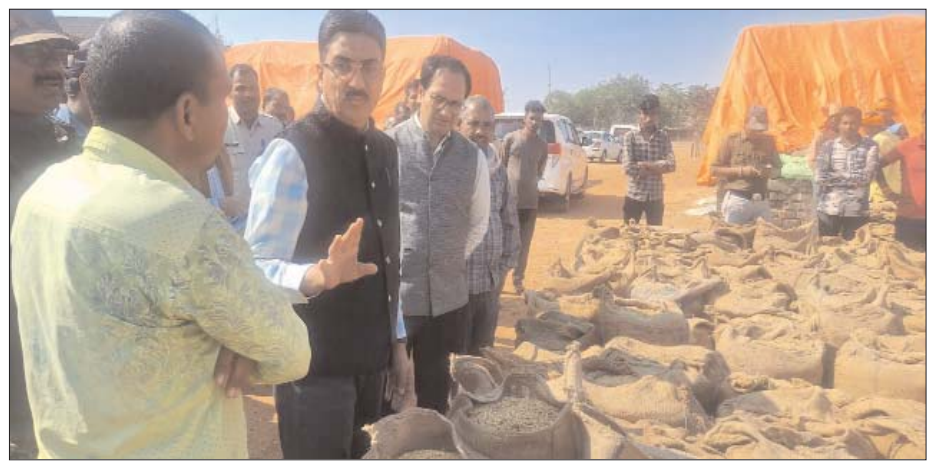



**बिलासपुर।** संभागीय कमिश्नर सुनील जैन एवं कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज कोटा विकासखण्ड के पीपरतराई धान खरीदी केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान औसत गुणवत्ता से कम दर्जा वाले धान खरीदी का मामला सामने आया। श्री जैन ने वहां की व्यवस्था पर नाराजगी जाहिर की और खाद्य विभाग से इसकी जांच कर रिपोर्ट देने को कहा है। किसानों की सुविधा के लिए भी किसी प्रकार का इंतजाम नहीं होना पाया गया और केन्द्र में धान की स्टेकिंग भी सही तरीके से नहीं थी। श्री जैन ने धान बेचने पहुंचे कुछ किसानों से भी चर्चा की और अच्छी तरह से सुखाकर और साफ्-सुथरा कराकर बेचने के लिए आने का आग्रह किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर शिवकुमार बनर्जी, उपायुक्त विकास एचएस चौहान, एसडीएम नितिन तिवारी, तहसीलदार श्री राठौर भी उपस्थित थे।

## संभागीय कमिश्नर सुनील ने दौरा कर एसआईआर का लिया जायजा

**बिलासपुर।** संभागीय कमिश्नर एवं चुनाव आयोग के रोल आबजर्वर सुनील जैन एवं कलेक्टर संजय अग्रवाल ने संयुक्त रूप से दौरा कर मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने निगम क्षेत्र के कोनी सहित गनियारी एवं पीपरतराई के एक दर्जन से ज्यादा मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। बूथ में मौजूद बीएलओ एवं राजनीतिक दलों के बीएलए से चर्चा की। उन्होंने संबंधित मतदान केन्द्रों में कम हुए मतदाताओं की संख्या और इनके कारणों की जानकारी ली। आपने नये मतदाताओं को जोड़ने की प्रक्रिया के बारे में बीएलओ से पूछताछ की। चुनाव आयोग द्वारा इसके लिए निर्धारित फार्म को अच्छी तरह से पढ़ एवं समझकर आगे काम बढ़ाने को कहा। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में 18 वर्ष की उम्र पूर्ण करने वाले नव विवाहित बहुओं के नाम सूची में जोड़ने के लिए आवेदन मिल सकते हैं। लगभग 15-20 नये मतदाता हर मतदान केन्द्र में आ सकते हैं। इसलिए सभी तरह के जरूरी फार्म हर समय उपलब्ध रहने चाहिए। उम्र एवं निवास के समर्थन में जरूरी दस्तावेज जमा कराने होंगे। उन्होंने राजनीतिक दलों के बीएलए को इस कार्य में सहयोग करने की अपील की। श्री जैन ने कहा कि चुनाव आयोग की मंशा है कि एक भी पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल होने से वंचित नहीं होने चाहिए और न ही एक भी अपात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में जुड़ना चाहिए। दावा आपत्ति एवं नये मतदाता जोड़ने की कार्यवाही आगामी 22 जनवरी तक की जायेगी। उप

## शुक्र है कि अब पहले जैसी नहीं रही परिस्थितयां: किसान पूरण सिंह

**कोरबा ।** पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के ग्राम सिरकी में रहने वाले 90 वर्षीय किसान पूरण सिंह आज भी खेती-किसानी में सक्रिय हैं। बचपन से ही खेतों में मेहनत करते हुए उन्होंने अपनी पूरी उम्र इसी परंपरागत कृषि जीवन को समर्पित कर दी। 5 एकड़ जमीन पर खेती करने वाले पूरण सिंह जानते हैं कि सिंचाई साधन न होने के बावजूद धान का उत्पादन करना कितना कठिन काम होता है। वर्षों तक उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में मेहनत कर फ्सल खड़ी की, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती थी फ्सल को बेच पाना। वो समय याद करते हुए पूरण सिंह बताते हैं कि पहले उपार्जन केंद्रों में किसानों के लिए कोई विशेष व्यवस्था नहीं थी। धान बेचने बैलगाड़ियों से केंद्र तक जाना पड़ता था और कई-कई दिनों तक वहीं डेरा डालकर इंतज़ार करना पड़ता था। फ्सल बेच भी लेते थे तो उचित कीमत नहीं मिल पाती थी, जिससे उनकी मेहनत का पूरा मूल्य उन्हें नहीं मिल पाता था। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। पूरण सिंह खुशी के साथ बताते है कि अब टोकन घर बैठे मिल जाता है। उपार्जन केंद्र में पेयजल, बैठने की व्यवस्था, ठहरने की जगहसब कुछ है। किसानों को सम्मान मिला है। वे कहते हैं कि अब धान का समर्थन मूल्य मिलने के साथ ही अंतर राशि भी सरकार द्वारा दी जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार ने किसानों के कर्ज माफ किए और बकाया बोनस की राशि भी प्रदान की, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिली है।

## दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,नागपुर मंडल के अंतर्गत नैनपुर जंक्शन में रेलवे रनिंग स्टाफके लिए आधुनिक रनिंग रूम की सुविधा



**बिलासपुर।** साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे के नागपुर मंडल द्वारा रेल परिचालन से जुड़े रनिंग स्टाफके कल्याण एवं कार्यदक्षता को ध्यान में रखते हुए नैनपुर में एक नया एवं अत्याधुनिक रनिंग रूम तैयार किया गया है। यह सुविधा ड्यूटी पर कार्यरत लोको पायलट, सहायक लोको पायलट एवं गार्ड जैसे रनिंग कर्मचारियों को विश्राम हेतु आरामदायक एवं अनुकूल वातावरण प्रदान करेगी। इस महत्वपूर्ण परियोजना को श्री दीपक कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, नागपुर के कुशल मार्गदर्शन में पूरा किया गया। निर्माण एवं सुविधाओं के विकास कार्य का सफ्ल क्रियान्वयन श्री अर्पित सरन, वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) एवं श्री नेहल नारायणे, मंडल अभियंता (उत्तर) की देखरेख में किया गया। नया रनिंग रूम आधुनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है, जिसमें स्वच्छ एवं आरामदायक शयन कक्ष, स्वच्छता सुविधाएं, पीने के पानी की व्यवस्था, उचित प्रकाश एवं वेंटिलेशन सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन सुविधाओं से रनिंग स्टाफको ड्यूटी के बीच पर्याप्त विश्राम मिलेगा, जिससे उनकी शारीरिक एवं मानसिक ताजगी बनी रहेगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, कर्मचारियों को बेहतर विश्राम सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने से उनकी कार्यक्षमता, सतर्कता एवं निर्णय लेने की क्षमता में सकारात्मक सुधार होगा। इसका प्रत्यक्ष लाभ ट्रेन परिचालन की सुरक्षा, समयपालन एवं सुचारू संचालन के रूप में सामने आएगा। रेलवे प्रशासन का मानना है कि कर्मचारियों के कल्याण हेतु की गई ऐसी पहलें न केवल संगठन की कार्य संस्कृति को सुदृढ़ करती हैं, बल्कि यात्रियों को सुरक्षित, विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण रेल सेवा उपलब्ध कराने में भी सहायक सिद्ध होती हैं।

# बिलासपुर जिले के धान उपार्जन केंद्रों में किसान आसानी से बेच पा रहे हैं धान....

- 24 घंटे ऑनलाइन 'टोकन तुंहर हाथ' व्यवस्था से धान बेचना हुआ आसान
- राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों से किसानों में उत्साह

**बिलासपुर।** जिले के धान उपार्जन केंद्र पहुँच रहे किसानों के चेहरों पर अब हड़बड़ी नहीं, बल्कि संतोष और भरोसे की मुस्कान दिखाई दे रही है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य जिले में सुव्यवस्थित रूप में जारी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। टोकन तुंहर हाथ मोबाइल ऐप आधारित 24 घंटे ऑनलाइन टोकन व्यवस्था से किसानों को काफी सुविधा हो रही है। किसानों ने धान खरीदी केंद्रों में समुचित इंतजामों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताया है। धान खरीदी केंद्र सीपत पहुंचे किसानों ने राज्य सरकार की 'तुंहर टोकन' मोबाइल ऐप आधारित 24 घंटे ऑनलाइन टोकन व्यवस्था से धान खरीदी होने से सुविधा की बात कही है। अब किसान घर बैठे, किसी भी समय मोबाइल ऐप के माध्यम से टोकन प्राप्त कर रहे हैं और निर्धारित तिथि पर सीधे उपार्जन केंद्र पहुँचकर सहजता से अपना धान बेच पा रहे हैं। इससे न केवल किसानों का समय बच रहा है, बल्कि टोकन के लिए इधर-उधर भटकने और लंबी कतारों में खड़े रहने की मजबूरी भी खत्म हो गई है। ऑनलाइन टोकन प्रणाली के चलते उपार्जन केंद्रों में पहले जैसी भीड़ नहीं दिखाई देती। सीपत उपार्जन केंद्र पहुंचे मस्तुरी ब्लॉक के ग्राम गुड़ी के किसान श्री पवन कुमार साहू ने बताया कि वे 43 एकड़ में खेती करते हैं और 146 क्विंटल धान बेचने समिति पहुँचे थे। उन्होंने बताया कि टोकन कटाने में किसी तरह की समस्या नहीं हुई। धान ज्यादा होने के कारण उन्होंने नियमानुसार तीन बार टोकन कटवाया। अब उनके सारे धान की बिक्री हो गई है द्ध धान बेचने में किसी तरह की समस्या नहीं हुई। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताया कि किसान हितैषी योजनाओं से छोटे-बड़े सभी किसान लाभान्वित हो रहे है। उल्लेखनीय है कि जिले के सभी उपार्जन केंद्रों में धान की खरीदी नियमित रूप से की जा रही है। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए समर्थन मूल्य की दर सूची उपार्जन केंद्रों में लगाई गई है। सुव्यवस्थित इंतजामों और सतत निगरानी के कारण किसानों को उनकी मेहनत का सही मूल्य समय पर मिल रहा है। जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं।

## दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल की पहल नैनपुर में अत्याधुनिक सिग्नल एवं टेलीकम्युनिकेशन कार्यालय स्थापित

**बिलासपुर।** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल द्वारा नैनपुर में एक नया सिग्नल एवं टेलीकम्युनिकेशन (स्×ञ्ज) कार्यालय स्थापित किया गया है। इस आधुनिक सुविधा के शुरू होने से रेलवे के सिग्नल एवं संचार तंत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा, जिससे ट्रेन संचालन अधिक सुरक्षित, सुचारू एवं समयनिष्ठ होगा। यह परियोजना श्री दीपक कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, नागपुर के कुशल मार्गदर्शन में, श्री अर्पित सरन, वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) तथा श्री नेहल नारायणे, मंडल अभियंता (उत्तर) के नेतृत्व में सफ्लतापूर्वक पूर्ण की गई है। नया सिग्नल एवं कम्युनिकेशन (स्×ञ्ज) कार्यालय नवीनतम तकनीकों और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, जिससे सिग्नल रखरखाव, त्वरित संचार तथा तकनीकी समन्वय में उल्लेखनीय सुधार होगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस कार्यालय की स्थापना से कर्मचारियों की कार्यकुशलता और कार्यक्षमता में वृद्धि होगी, साथ ही आपात स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सकेगी। परिणामस्वरूप, यात्रियों को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और बेहतर रेल सेवाएं प्राप्त होंगी। नागपुर मंडल द्वारा आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण की दिशा में उठाया गया यह कदम क्षेत्र में रेल परिचालन को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

# माघ मास में कल्पवास का महत्व

**प्रयागराज में संगम की रेती पर माघ मेला 2026 का भव्य आयोजन 3 जनवरी से शुरू होकर 15 फरवरी तक चलेगा, जो 44 दिनों का महापर्व होगा। यह अस्थायी तंबुओं का शहर करीब 800 हेक्टेयर भूमि पर 7 सेक्टरों में बसाया जा रहा है।**

## मेले की प्रमुख बातें :-

**अवधि :** 3 जनवरी (पौष पूर्णिमा) से 15 फरवरी (महाशिवरात्रि) तक।

**श्रद्धालु अनुमान :** प्रशासन को प्रमुख स्नान पर्वों पर 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं के पवित्र डुबकी लगाने की उम्मीद है।

**कल्पवास :** पौष पूर्णिमा से माघी पूर्णिमा (1 फरवरी) तक लगभग 20 से 25 लाख कल्पवासी एक माह की कठोर साधना करेंगे।

**स्नान पर्व :** पौष पूर्णिमा (3 जनवरी), मकर संक्रांति (15 जनवरी), मौनी अमावस्या (18 जनवरी), बसंत पंचमी (30 जनवरी), माघी पूर्णिमा (1 फरवरी) और महाशिवरात्रि (15 फरवरी) मुख्य स्नान होंगे।

## विशेष व्यवस्थाएं

**पानी और स्वच्छता:-** सिंचाई विभाग द्वारा 10 हजार क्यूसेक पानी की उपलब्धता और नमामि गंगे के तहत जल शुद्धता सुनिश्चित की जाएगी। गंगा-यमुना में सीवर का एक बूंद भी न जाए, इसके लिए यूपी जल निगम 242 किमी पेयजल और 85 किमी सीवर लाइन बिछा रहा है।

**सुरक्षा:-** बहुस्तरीय और हाईटेक सुरक्षा योजना लागू की गई है, जिसमें ड्रोन कैमरे, इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम, पुलिस, पीएसी और एनडीआरएफ की टीमें तैनात होंगी।

**पर्यटक सुविधा:-** भारत और विदेशों से आने वाले पर्यटकों के लिए प्रशिक्षित गाइडों की विशेष टीम तैनात की जाएगी।

**बुनियादी सुविधाएं:-** कल्पवासियों के लिए बिजली, पेयजल, शौचालय, अस्थाई अस्पताल और खोया-पाया केंद्र जैसी विशेष व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। यह माघ मेला भारतीय आस्था, आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक विरासत का अद्भुत संगम प्रस्तुत करने को तैयार है।

**स्नान का महात्म्य :** इस मास में शीतल जल में डुबकी लगाने से मनुष्य पापमुक्त होता है और भगवान श्रीहरि (वासुदेव) को प्रसन्नता मिलती है।

**प्रयाग का विशेष महत्व:** प्रयागराज में संगम या किसी भी पवित्र नदी (जैसे गंगा, गोदावरी, नर्मदा) में स्नान करने का बहुत महत्व है। पद्मपुराण के अनुसार, प्रयाग में माघ मास में तीन बार स्नान करने का फल दस हजार अश्वमेघ यज्ञ के बराबर होता है। मान्यता है कि इस समय देवता भी मनुष्य रूप में धरती पर आकर प्रयाग में स्नान और दान करते हैं।

**लाभ: माघ स्नान से धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष चारों की प्राप्ति होती है और अकाल मृत्यु नहीं होती।**

# बच्चे का नाम रखते समय न करें ये गलतियां

**किसी भी घर में बच्चे के जन्म के साथ ही ढेर सारी खुशियां आती हैं। परिवार के लोग आने वाले नन्हे मेहमान के लिए महीनों पहले से तैयारियों में जुट जाते हैं। इन्हीं तैयारियों में से एक होती हैं उसके नाम को चयन करने की। सनातन धर्म के अनुसार, बच्चे को बहुत सोच-समझकर नाम देना चाहिए, क्योंकि यह उसके पूरे जीवन की दशा और दिशा तय करने की ताकत रखता है। ऐसे में नवजात के लिए सही नाम का चयन करना परिवार के लिए सबसे महत्वपूर्ण काम बन जाता है। कई बार भावनाओं या मजाक में रखे गए नाम बच्चों के लिए भविष्य में शर्मिंदगी और परेशानी का कारण बन सकते हैं। इसलिए नामकरण करने के दौरान कुछ खास बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। यहां जानिए उनके बारे में।**

### आसान उच्चारण वाला नाम चुनें

कई बार बच्चे का नाम बहुत कठिन उच्चारण वाला रखा जाता है। इससे स्कूल, दोस्तों और समाज में बच्चे को परेशानी हो सकती है। इसलिए हमेशा ऐसा नाम चुनें, जिसे आसानी से बोला और समझा जा सके। ऐसा नाम चुने जिसे बड़े-बुजुर्ग भी आसानी से ले सके।

### जन्म नक्षत्र और वंश का ध्यान

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जन्म के समय का नक्षत्र बच्चे के नाम का चयन करते समय मददगार साबित होता है। इसके साथ ही वंश और गोत्र का ध्यान रखना भी महत्वपूर्ण है। इससे भविष्य में अच्छे परिणाम मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

### नाम का अर्थ सही हो

शास्त्रों में कहा गया है कि नाम का अर्थ होना जरूरी है। केवल मनोरंजन या यूनिक होने के लिए नाम न रखें। सार्थक और सकारात्मक अर्थ वाला नाम बच्चे के व्यक्तित्व और जीवन पर अच्छा प्रभाव डालता है।

### नाम छोटा और सरल रखें

लंबे नाम लिखने और याद रखने में कठिन हो सकते हैं। इसलिए नाम छोटा, सरल और याद रखने योग्य होना चाहिए।

### ऐसे नाम रखने से बचें

घर में प्यार से बुलाए जाने वाले नाम भी आगे चलकर आपके बच्चे के आत्मसम्मान पर असर डाल सकते हैं। ऐसे नाम न चुनें, जिन्हें लेकर बच्चे का मजाक बनाया जा सके।

### अप्रचलित नाम से बचें

बच्चे के सिए ऐसे नामों के चयन से बचना चाहिए, जो कि जमाने के हिसाब से चलन में ही न हो। बहुत पुराने या आज के समय में असामान्य नाम बच्चे को असहज महसूस करा सकते हैं। इसलिए समय और ट्रेंड के अनुसार नाम चुनना उचित है।

# डिनर करने का सही समय

**आयुर्वेद के मुताबिक रात में जल्दी खाना खा लेना सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। आप भी हर रोज सही समय पर खाना शुरू कर दीजिए और आपको महज कुछ ही हफ्तों के अंदर खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर महसूस होने लगेगा। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि रात में ज्यादा देर से खाना खाने से न केवल आपकी गट हेल्थ बल्कि आपकी ओवरऑल हेल्थ बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है।**

### डिनर का सही समय

अगर आप अपनी सेहत को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं, तो आपको 6 बजे से लेकर 8 बजे के बीच में खाना खा लेना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक 7 बजे का समय डिनर करने के लिए परफेक्ट समय साबित हो सकता है। अगर आप 8 बजे के बाद या फिर लेट नाइट डिनर करते हैं, तो आपको अपनी इस आदत को जल्द से जल्द सुधार लेना चाहिए।

### सेहत के लिए फायदेमंद

7 बजे तक डिनर करना गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। गैस और अपच जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं को पैदा होने से रोकने के लिए जल्दी डिनर कर लेना चाहिए। क्या आप अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं? अगर हां, तो भी आपको 7 बजे तक डिनर करने की कोशिश करनी चाहिए। इसके अलावा समय से डिनर करने की वजह से नींद की क्वॉलिटी भी काफी हद तक इम्प्रूव हो सकती है।

### देर रात खाने के नुकसान

लेट नाइट डिनर करने के कारण एसिड रिफ्लक्स, सीने में जलन और ब्लोटिंग जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। देर रात खाना खाने की वजह से मोटापे का खतरा भी कई गुना बढ़ सकता है। इसके अलावा आपकी जानकारी के लिए बता दें कि जो लोग रात में देर से खाना खाते हैं, उन्हें नींद से जुड़ी समस्या से भी जूझना पड़ सकता है।

# सर्दियों में भी दमक उठेगा चेहरा

**जाड़े के सीजन में बिना मेकअप के भी नेचुरल ग्लो, सॉफ्ट और हेल्दी स्किन पाई जा सकती है। इसके लिए सुबह के वक्त सही मॉइस्चराइजिंग, रात में फेस ऑयल का इस्तेमाल करना, स्क्रबिंग, विटामिन-C सीरम और दही-बेसन-शहद जैसे घरेलू फेस पैक लगाने से आपकी त्वचा में निखार आएगी। इस पूरे मौसम आप रूखेपन की समस्या से मुक्त रहेंगे।**

### भारी मेकअप से रहें दूर

जाड़े के मौसम में त्वचा का रूखापन, पपड़ी पड़ना और ग्लो कम होना कोई नई बात नहीं है। इस दौरान अपनी खूबसूरती बनाए रखने के लिए बहुत सारे लोग चेहरे पर पूरे दिन मेकअप लगाए रखते हैं। आप चाहें तो कुछ आसान टिप्स को आजमा कर चेहरे की चमक को बरकरार रख सकते हैं। ये टिप्स आपकी त्वचा को अंदर से पोषण देते हैं, जिससे चेहरे का रूखापन दूर होता है।

### हाइड्रेशन का रखें ध्यान

ठंड के दिनों में प्यास कम लगती है लेकिन इस दौरान भी हइड्रेशन का ध्यान रखना जरूरी है त्वचा की नमी को बरकरार रखने के लिए दिन में कम से कम 10 ग्लास पानी पीना जरूरी है। इससे आपका शरीर अंदर से डिटॉक्स होगा। साथ ही आपकी त्वचा मुलायम और ग्लोइंग बनेगी।

### नहाने के बाद लगाएं मॉइश्चराइजर

इस मौसम में आप स्किन के रूखेपन को दूर करने के लिए त्वचा पर हल्के मॉइश्चराइज़र का उपयोग कर सकते हैं। इस दौरान स्किन के लिए सही मॉइस्चराइजर का ध्यान रखें। बेहतक होगा आप नहाने के तुरंत बाद मॉइश्चराइजर लगा लें। इससे आपकी त्वचा से रूखापन दूर होगा।

### सही मॉइश्चराइजर जरूरी

सर्दियों में स्किन की नमी कम हो जाती है. इसलिए स्किन को मेकअप के बदले सही मॉइस्चर, चमक और पोषण की जरूरत होती है. यही कारण है कि जाड़े के मौसम में आपकी स्किन के लिए कुछ स्मार्ट स्टेप्स और आसान घरेलू उपाय मौजिक कर सकते हैं. इस टिप्स को आजमा कर आप अपने चेहरे में चमक ला सकते हैं. ये टिप्स पूरे विंटर आपकी स्किन को रूखेपन और बाहरी तत्वों से बचाने में मदद करेगी।

# गाजर या मूली, सेहत के लिए क्या है ज्यादा फायदेमंद

*सर्दियों के मौसम में बाजार में गाजर और मूली खूब बिकते हैं। लोग इनका अलग अलग तरह से सेवन भी करते हैं। कोई गाजर के अचार बनाता है तो कोई गाजर का हलवा। मूली के साथ भी कुछ ऐसा ही है। कुछ लोग मूली के पराठे खाना पसंद करते हैं तो कुछ को मूली सलाद के तौर पर पसंद है। दोनों में कई तरह के पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो सेहत को फायदे भी पहुंचाते हैं। लेकिन कई लोगों के मन में ये सवाल रहता है कि गाजर या मूली में से सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद क्या है। ऐसे में यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि गाजर और मूली में ज्यादा फायदेमंद क्या है।*

### गाजर खाने के फायदे

**गाजर के पोषक तत्व :-** गाजर विटामिन A (बीटा-कैरोटीन), विटामिन K1, पोटेशियम और फाइबर का बेहतरीन सोर्स माना जाता है। यह विटामिन B6, विटामिन C और बायोटिन जैसे पोषक तत्वों से भी भरपूर है। ऐसे में इसका सेवन आपको कई स्वास्थ्य लाभ पहुंचा सकता है।

**आंखों के लिए:** गाजर में विटामिन A और बीटा-कैरोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो आंखों की रोशनी बढ़ाने और उन्हें स्वस्थ रखने में मदद करता है।

**पाचन तंत्र के लिए:** इसमें फाइबर अच्छी मात्रा में होता है, जो कब्ज (constipation) की समस्या को दूर करता है और पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है।

**हृदय स्वास्थ्य के लिए:** गाजर में पोटैशियम, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने और हृदय रोगों के खतरे को कम करने में सहायक होते हैं।

**वजन घटाने में सहायक:** फाइबर से भरपूर गाजर पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे आप ज्यादा खाने से बचते हैं और यह वजन घटाने में मदद करता है।

### मूली के फायदे

**पाचन तंत्र के लिए:** मूली में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है, जो कब्ज और पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है और आंतों को स्वस्थ रखता है।

**इम्यूनिटी:** इसमें विटामिन C होता है, जो सर्दी-जुकाम से लड़ने और इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में सहायक है।

**हाइड्रेशन:** मूली में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर को हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है।

**हड्डियों के लिए:** इसमें कैल्शियम और फास्फोरस जैसे खनिज होते हैं जो हड्डियों को मजबूती देते हैं।

**कौन है ज्यादा फायदेमंद**

अगर आपको आँखों की सेहत और विटामिन A की ज्यादा ज़रूरत है, तो गाजर बेहतर है। अगर आप पाचन, विटामिन C और कब्ज से जुड़ी समस्याओं को ठीक करना चाहते हैं, तो मूली बेहतर हो सकता है।

# प्रदूषण से बच्चों की नींद पर असर

**इन दिनों देश के कई हिस्सों में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। इस प्रदूषण का सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर पड़ता है,क्योंकि उनका इम्यून सिस्टम पूरी तरह विकसित नहीं होता। धूल, धुएं और जहरीले कणों के संपर्क में आने से बच्चों को सांस लेने में कठिनाई, खांसी,गले में खराश और थकान जैसी समस्याएं होने लगती हैं।**

प्रदूषित हवा में मौजूद प्रदूषित कण शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा को कम कर देते हैं, जिससे बच्चों के दिमाग और नींद के पैटर्न पर भी असर पड़ता है। जब बच्चे प्रदूषित हवा में सांस लेते हैं,तो उनके रेस्पिरेट्री सिस्टम में सूजन और जलन बढ़ जाती है। यह स्थिति रात के समय और ज्यादा परेशानी पैदा करती है, जिससे उन्हें चैन की नींद नहीं मिल पाती। प्रदूषण से शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है, जिससे नींद हल्की और टूट-टूट कर आती है। लगातार नींद पूरी न होने से बच्चे दिनभर थकान, चिड़चिड़ापन और फोकस न कर पाने की समस्या से जूझते हैं। लंबे समय तक ऐसा रहने पर उनकी ग्रोथ और मानसिक विकास पर भी असर पड़ सकता है। इसलिए, प्रदूषण के दौर में बच्चों की नींद और सेहत दोनों की सुरक्षा बेहद जरूरी है।

### ये भी जरूरी

बच्चों के कमरे में पौधे जैसे मनी प्लांट या स्नेक प्लांट रखें। घर के अंदर अगरबत्ती या सिगरेट जैसा कोई भी धुआं न करें। बच्चों को पर्याप्त पानी पिलाएं ताकि शरीर से टॉक्सिन्स निकल सकें। सोने से पहले मोबाइल या टीवी स्क्रीन से दूरी बनवाएं। डॉक्टर से नियमित रूप से जांच करवाते रहें, खासकर ठंड और स्मॉग के दिनों में।

### प्रदूषण से बच्चों की नींद और सेहत ऐसे रखें सुरक्षित

बच्चों को प्रदूषण से बचाने के लिए घर के अंदर की हवा को साफ रखना सबसे जरूरी है। दिन में एक बार घर के कमरों को वेंटिलेट करें, लेकिन सुबह या देर रात के समय जब प्रदूषण का स्तर कम हो। एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें ताकि हवा में मौजूद हानिकारक कणों को फिल्टर किया जा सके। बच्चों को बाहर खेलने के लिए न भेजें, खासकर तब जब AQI बहुत खराब हो।

अगर बाहर जाना जरूरी हो, तो उन्हें मास्क पहनाएं। उनकी डाइट में फलों, सब्जियों और विटामिन सी से भरपूर चीजें शामिल करें, ताकि इम्यून सिस्टम मजबूत रहे। सोने से पहले कमरे में धूल-मिट्टी साफ करें और हल्की गर्म भाप लेने की आदत डालें। इससे सांस की नली खुली रहती है और नींद बेहतर आती है।

# हरी सब्जियां पकाते हुए चुटकी भर चीनी क्यों मिलाते हैं?

**सर्दियों के मौसम की शुरुआत होने वाली है। इन दिनों बाजार में ढेर सारी हरी सब्जियां जैसे पालक, बथुआ और सरसों दिखाई देती हैं। घरों में इनका साग, सब्जी, पूड़ी और भी कई डिशेज बनती हैं। क्या आपको पता है कि इन सब्जियों को उबालते या पकाते समय इनमें चुटकी भर चीनी मिलाई जाती है? जी हां, कई लोग यहां तक कि रेस्टोरेंट में भी ये ट्रिक अपनाई जाती है। अगर आप अभी तक ये नहीं करती हैं, तो इसके फायदे जानकर अगली बार से करना शुरू कर देंगी। तो चलिए जान लेते हैं कि ऐसा भला क्यों किया जाता है।**

### ताकि बरकरार रहे हरा रंग

पालक, बथुआ या सरसों जैसी हरी सब्जियां पकाते हुए अक्सर इनका हरा रंग फेड हो जाता है। ऐसे में अगर इन्हें पकाते हुए चुटकी भर चीनी मिला दी जाए, तो इनकी हरी रंगत बरकरार रहती है। आपने रेस्टोरेंट में बनी हरी चटनी या सूप देखें होंगे, उनका रंग एकदम ब्राइट ग्रीन होता है। ये रंगत हल्की सी चीनी मिलाने से ही आती है।

### कड़वाहट को बैलेंस करता है

कुकिंग के दौरान जरा सी चीनी मिलाने पर कड़वाहट भी बैलेंस होती है। कई बार पालक या बथुआ में हल्का सा कड़वापन रहता है। ऐसे में हल्की सी चीनी एड कर दी जाए, तो स्वाद पूरी तरह बैलेंस हो जाता है। हालांकि ध्यान रहे आपको ज्यादा चीनी एड करनी है, वरना मीठापन भी आ सकता है। हमेशा चुटकी भर चीनी ही मिलाएं, ताकि टेस्ट नेचुरली एन्हांस हो सके।

### ब्लांचिंग से हरा रंग बरकरार रखें

**हरी पत्तेदार सब्जियां खासतौर से पालक को पकाने से पहले 1-2 मिनट के लिए उबालने रख दें, फिर तुरंत ठंडे पानी में डाल दें। इसे क्विक ब्लांचिंग कहते हैं। ऐसा करने से सब्जियों का ब्राइट ग्रीन रंग बरकरार रहता है और टेस्ट भी नेचुरली एन्हांस होता है। सूप, सब्जी, चटनी या कोई भी डिश बना रही हैं, तो ये छोटी सी ट्रिक फॉलो कर सकती हैं।**

## छत्तीसगढ़ में अटल बिहारी वाजपेई का योगदान महत्वपूर्ण

# अम्लेश्वर पालिका में पूर्व प्रधान मंत्री, भारत रत्न, अटल बिहारी वाजपेई की मूर्ति का हुआ अनावरण, क्षेत्र के जनप्रतिनिधी हुए शामिल

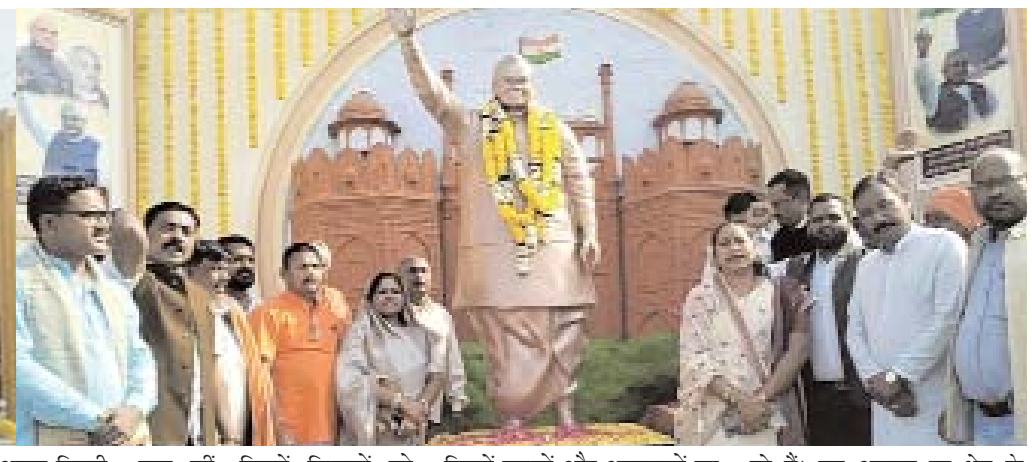

**अम्लेश्वर।** भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जन्म जयंती पूरे देश में सुशासन दिवस के रूप में मनाया जा रहा। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद अम्लेश्वर में 101वी जयंती के रूप मे अटल चौक पर मूर्ति का अनावरण छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वर्चुअल कर अनावरण किया है। कार्यक्रम में मौजुद अतिथियों ने तैल चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें याद किया। छत्तीसगढ़ में अटल बिहारी वाजपेई का योगदान बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की शुरुआत की, जिनमें से एक है छत्तीसगढ़ राज्य का गठन। अटल बिहारी वाजपेई ने 15 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ को एक अलग राज्य के रूप में स्थापित करने की घोषणा की थी। जो पूर्ण हुआ है। इसके अलावा, उन्होंने छत्तीसगढ़ के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की शुरुआत की, जिनमें कई योजनाएं शामिल हैं। आपको बता दें कि अटल बिहारी वाजपेई ने छत्तीसगढ़ में कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत की, जिनमें सड़क निर्माण, बिजली उत्पादन, और सिंचाई परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के कृषि विकास के लिए कई योजनाएं शुरू कीं, जिनमें किसानों को सहायता प्रदान करना और कृषि उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराना शामिल है। अटल बिहारी वाजपेई ने छत्तीसगढ़ में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कई योजनाएं शुरू कीं, जिनमें स्कूलों और अस्पतालों का निर्माण और शिक्षकों और डॉक्टरों की नियुक्ति शामिल है। अटल बिहारी वाजपेई के योगदान को छत्तीसगढ़ के लोग आज भी याद करते हैं और उनके विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के अलावा नगर पालिका परिषद के अधिकारी कर्मचारियों सहित भाजपा मंडल अम्लेश्वर के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की उपस्थित रही।

# शिव सैनिकों ने फूंका बांग्लादेश प्रधानमंत्री युनूस का पुतला

**भाटापारा।** छत्तीसगढ़ शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने भाटापारा नगर के फव्वारा चौक पर बांग्लादेश के प्रधानमंत्री मो. युनूस का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर प्रदेश सचिव ईश्वर प्रसाद निषाद ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसात्मक हमलों व नरसंहार की कड़ी निंदा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हिंदुओं की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की है। आगे उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के कटटरपंथियों ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दी हैं। बांग्लादेश के घुसपैठिए नाकाबिले बर्दाश्त हैं। अगस्त 2024 में शेख हसीना का शासनकाल समाप्त होने के बाद से हिंदुओं पर अत्याचार एवं हिंसक हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। इसी कड़ी में हाल ही में बांग्लादेश में कटटरपंथियों द्वारा हिंदू युवक दीपू दास को बेरहमी से मारकर पेड़ पर लटकाकर निर्वस्त्र कर जलाने की घटना सामने आई है।

## सरयू पारीय ब्राह्मण समाज की बैठक

**भिलाई.** सरयू पारीय ब्राह्मण समाज की बैठक गुरुवार को आयोजित की गई।समाज के प्रमुख पदाधिकारियों की आवश्यक बैठक समाज के अध्यक्ष प्रभुनाथ मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें सर्व हिन्दू संगठनों द्वारा छत्तीसगढ़ बंद की सफ्लता के लिए समस्त व्यवसायिक संगठनों एवं छत्तीसगढ़ चेम्बर आफ कामर्स को विशेष सहयोग के लिए बधाई देते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

सरसुपारीय ब्राह्मण समाज ने पूज्य बागेश्वर धाम के पीठाधिश्वर महाराज धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के भिलाई आगमन को इस्पात नगरी का परम सौभाग्य मानते हुए, आम नागरिकों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में कथा स्थल पर पहुँच कर हनुमंत कृपा का पुष्य लाभ प्राप्त करें।

ज्ञात हो कि भिलाई के जयंती स्टेडियम के पास स्थित मैदान में 25 दिसम्बर से 29 दिसम्बर तक महाराजा श्री की हनुमंत कथा अपरान्ह 2 बजे से 6 बजे तक प्रतिदिन अनवरत चलेगी। इसके अलावा बैठक में समाज की ओर से बंगलादेश में हिन्दुओं के प्रति हो रहे अत्याचार एवं दीप चंद्र दास की नृशंस हत्या पर गहन दुख व्यक्त करते हुए भारत सरकार से आग्रह किया गया कि हिन्दुओं की सुरक्षा के लिए सहित कदम उठाया जाए, बैठक में समाज के सदस्य एवं क्षेत्र के लोकप्रिय शिक्षाविद आलोक त्रिपाठी के दुखद निधन को शिक्षा जगत अपूरणीय क्षति बताते हुए, 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

बैठक में नागेंद्र ,शंकर चरण पांडेय, विष्णु पांडेय, महेश तिवारी एवं रामलखन मिश्रा सहित समस्त पदाधिकारी मौजूद थे।

# शिक्षा एवं स्वास्थ्य की चाहिए उन्नति एवं प्रगति भाटापारा में दीजिए मेडिकल कालेज की अनुमति

## सरयू साहित्य परिषद द्वारा मेडिकल कॉलेज की मांग को लेकर मंगल बाजार में आव्हान सभा

**भाटापारा।** लोकतंत्र मे जन आकांक्षा एवं जन आवश्यकता के बड़े मायने है एवं समूची लोकतांत्रिक व्यवस्था इसी अवधारणा पर संचालित होती है, जनभावना को अहम अहमियत देने वाली इस व्यवस्था मे इसी के तहत भाटापारा क्षेत्र मे एक महत्वपूर्ण मांग उठती हुई प्रतीत हो रही है। जन जन की आवश्यकता से जुड़े इस मांग को सरयू साहित्य परिषद द्वारा एक अभियान का स्वरुप प्रदान किया गया है।

**भाटापारा में मेडिकल कॉलेज की मांग** – संयुक्त जिला का प्रमुख अंग भाटापारा की पृष्ठभूमि पर नजर दौड़ाई जाए तो यह अत्यंत समृद्ध नजर आती है। विविध धार्मिक आयामों के परिक्षेत्र इस शहर मे जहां उन्नत व्यापारिक परिवेश है। बड़ी कृषि उपज मंडी है वहीं मुंबई हावड़ा मुख्य रेलमार्ग पर बसाहट है, लिहाजा व्यापक जन सरोकार का परिदृश्य स्पष्ट रुप से नजर आता है, लेकिन सुविधाओं के मामले मे देखा जाए तो शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं सहित विभिन्न सुविधाओं के मामले मे क्षेत्र अत्यंत पिछड़ा हुआ नजर आता है, जिसकी पीड़ा समय समय पर उभरती हुई प्रतीत भी होती है, चूंकि एक जानकारी उभरकर सामने आ रही है कि जिले मे मेडिकल कॉलेज प्रारंभ होने की संभावना है लिहाजा असुविधाओं से घिरे शहर मे स्वास्थ्य के बिंदु को लेकर एक आस की किरण जग रही है और वह आस है। भाटापारा मे मेडिकल कॉलेज की स्थापना हो जाए और यह आस अब मांग के रुप मे परिवर्तित होती हुई नजर आ रही है।

**सरयू साहित्य द्वारा हस्ताक्षर अभियान** – जनमानस की भावना और आकांक्षा जिसमें समाहित है मेडिकल कॉलेज के माध्यम से क्षेत्र के शिक्षा एवं स्वास्थ्य के उन्नयन की संभावना उपरोक्त भाव को अंगीकार करते हुए नगर की रचनात्मक संस्था सरयू साहित्य परिषद द्वारा वृहद हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत नगर के समाज संगठन प्रमुखों प्रबुद्धजनों विशिष्टजनों एवं समस्त जनों से हस्ताक्षर स्वरुप मे मेडिकल कॉलेज की मांग के प्रति सहमति एवं अभिव्यक्ति प्राप्त की जा रही है, परिषद के अध्यक्ष गौरीशंकर शर्मा द्वारा बताया गया कि मुख्यमंत्री के नाम तैयार ज्ञापन को क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधिगणों को सौंपा जाएगा एवं प्रदेश के मुखिया के समक्ष जनभावना को रखने का आग्रह किया जाएगा।

**मंगलबाजार मे हुई आव्हान सभा–** हस्ताक्षर अभियान की कड़ी निरंतर जारी है तथा जनमानस इसमें उत्साहपूर्ण भागीदारी निभाते हुए नजर आ रहें है, अभियान की अगली कड़ी के रुप मे परिषद द्वारा मंगल बाजार मे आव्हान सभा रखी गयी, जिसमे बड़ी संख्या मे नागरिकगणों के बीच प्रबुद्धजनों एवं समाज प्रमुखों द्वारा अपने विचार रखे गये तथा क्षेत्र मे मेडिकल कॉलेज की आवश्यकता एवं महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए सभी वक्ताओं द्वारा एक स्वर मे भाटापारा मे मेडिकल कॉलेज के स्थापना की मांग की गयी, आव्हान सभा मे परिषद के अध्यक्ष गौरीशंकर शर्मा, मुकेश शर्मा, हरिहर शर्मा, अजय साहू अमृतांशु, सुनील दुबे मनीष शुक्ला, डॉ साहू घनश्याम पुरोहित, गिरधर गोपाल शर्मा जितेन्द्र गौरहा, रामजी शर्मा आदि प्रमुख रुप से उपस्थित थे।

# भाटापारा में सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया यादव समाज ने, एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर वचन कंपनी के विरूद्ध कार्यवाही की मांग की

**भाटापारा।** प्रसिद्ध दूध निमार्ता कंपनी वचन द्वारा दूध उत्पादक गौ पालकों एवं गौ सेवकों के द्वारा कथक परिश्रम के पश्चात लोगों को सहजता से पौष्टिक दूध जैसे पेय पदार्थ उपलब्ध कराने व उनके विक्रय प्रक्रिया की आलोचना करते हुए विज़िन्न भ्रामक भ्रांतियां फैलाकर पत्रिका बांटा जा रहा था, उसके विरोध में भाटापारा में हजारों की संख्या में यादव समाज के लोगो ने मोर्चा खोलते हुए सड़क पर उतरकर एकत्रित होकर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रदर्शन किया तथा वचन कंपनी के खिलाफ कठोर एवं सख्त कार्यवाही की मांग की तथा मांग के समर्थन में एक विशाल रैली बाल मंदिर परिसर साहड़ा देव स्थल से एक विशाल रैली निकाली गई। यह रैली शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए एसडीएम दफ्तर पहुंचकर ज़ाटापारा के एसडीएम श्यामा पटेल को सर्व यादव समाज के प्रदेश अध्यक्ष रमेश यदु, महामंत्री सुरेश यदु, तहसील अध्यक्ष ज़ीखम यदु, सचिन सुखदेव यदु, संतोष यादव, एमएल यादव, इंद्रजीत यदु, चंद्रकांत यदु सहित हजारों की संख्या में उपस्थित यादव लोगो ने ज्ञापन सौंपा। उक्त अवसर पर कैलाश यदु, सनत यदु, रामेश्वर यदु, रेशम यदु, तरूण यादव, सुनील यदु, गिरधारी यादव, परमेश्वर यदु, सुरेश यादव, रोशन यादव, संजय यादव, हीरामणि यदु, धनु यादव, रोशन यदु, माखन यादव के अलावा ग्राम रोहरा, तरेंगा, सेमरिया, मुढीपार, गोढही, भाटापारा, लटवा, पासीद, सुरजपुरा, तदरेंगी, बीजाज़ाटा, लालपुर, रामपुर, कोनी, कोदवा, बंजर, सिमगा, बोरसी, बिजराडीह, बिजाज़ाट, मटिया, सिनोधा, गोरदी, तुरमा, मांचाज़ाट, बलौदाबाजार, डोंगरिया, मोहज़ट्टा, खम्हरिया, अर्जुनी, गैतरा, करमदा, मोपर, मल्दी, जेठानी, आमाकोनी, टेकारी, जरौद, अमेठी, पौंसरी, अकलतरा, धुर्राबांधा, सिंगारपुर, कड़ार सहित अन्य गांव के हजारो गौ पालक बड़ी तादाद में शामिल हुए। इस दौरान सर्व यादव समाज के रमेश यदु ने बताया कि आगामी 26 दिसंबर को राज्य के सज़ी जिला मुख्यालयों में प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जायेगा व अनर्गल व मिथ्या प्रलाप करने वाले वचन कंपनी के विरूद्ध कार्यवाही की मांग की जायेगी।

# प्रशासकीय स्वीकृति के बाद भी नहीं हो सका मगरघटा, परसदा पुल का निर्माण, सेतु विभाग साधे हुए हैं चुप्पी

■ मोदी की गारेंटी और विष्णु के सुशासन में भी पुल का निर्माण कराने में असफल हैं स्थानीय जनप्रतिनिधि

**अम्लेश्वर।** पाटन विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले नगर पालिका परिषद अमलेश्वर और नगर पालिका परिषद कुम्हारी को जोड़ने वाली मगरघटा परसदा नाला पुल का निर्माण भाजपा सरकार के 2 वर्ष के कार्यकाल में भी नहीं हो सका। आपको बता दें पूर्व छत्तीसगढ़ सरकार में उक्त पुल के निर्माण की रूपरेखा तैयार की गई थी। जिसकी प्रशासकीय और तकनीकी स्वीकृति जुलाई, अगस्त 2023 में हो गई है। और अब वर्तमान सरकार के कार्यकाल में पुल की निर्माण नहीं हो सका जिसको लेकर के आम लोगो के बीच आक्रोश है। जिस पर किसी प्रकार की पहल शासन प्रशासन की ओर से दिखाई नहीं पड़ रही है। लगातार लोगों के द्वारा इस ओर ध्यान आकर्षण कराया जा रहा है। लेकिन मोदी की गारेंटी और विष्णु के सुशासन में भी पुल निर्माण के दिशा में मुहर लगते दिखाई नहीं दे रही है। न ही क्षेत्र की जनप्रतिनिधी भी इस ओर कोई पहल कर रही हैं। कुम्हारी से अम्लेश्वर होते हुए रायपुर जाने का या मुख्य मार्ग है और मगरघटा से हाई स्कूल में अध्यापन कार्य के लिए दर्जनों बच्चे यहां आते हैं। जिसे बारिश के मौसम में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही शिक्षक शिक्षकों को भी इस मार्ग से आने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। वही व्यापारी भाइयों को भी वर्षा ऋतु में रायपुर आने जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी है। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों की प्रति भी लोगों में असंतोष दिखाई दे रहा है। इस ओर सेतु विभाग भी मौन साधे हुए हैं।

# भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती सांकरा में, युवा सरपंच रवि सिंगौर ने नेतृत्व में हुआ आयोजन

**अम्लेश्वर।** भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती 25 दिसम्बर को पूरे देश में सुशासन दिवस के रूप में मनाया जा रहा। इस अवसर पर ग्राम सांकरा मे 101वी जयंती के रूप मे अटल चौक पर सरपंच महामंत्री रवि सिंगौर ने शैल चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें याद किया। सरपंच रवि सिंगौर ने कहा इस वर्ष अटल का जयंती पुरे देश में मनाया जा रहा छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राष्ट्रपुरुष स्व अटल बिहारी वाजपेयी को हम सब उनके विकास कार्यो और जनकल्याणकारी योजनाओं को याद करते हम आज उनकी जयंती मना रहे है। इस अवसर पर उपसरपंच रामशरण बंधे, नंदकुमार पटेल, सांसद प्रतिनिधि मनहरण सिंगौर, संजय सिंगौर पंच, तुलराम सिंगौर पंच, महेंद्र पारधी पंच, रोशन चंद्रकार पंच, छोटू यादव बूथ अध्यक्ष, कामता सिंगौर, बिदेश्वर विश्वकर्मा, तामश पटेल, गौकरण तुरकाने, नागेश सिंगौर, संजय डहरे, शिव कुमार वैष्णव, घनश्याम चंद्राकर सहित अन्य ग्रामवासी जन मौजूद रहे।

# सुशासन सप्ताह के तहत 'प्रशासन गांव की ओर' शिविर का आयोजन

**भाटापारा।** भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती 'सुशासन दिवस' के गरिमामयी अवसर पर नगर पालिका परिषद भाटापारा द्वारा 'सुशासन सप्ताह प्रशासन गांव की ओर' अभियान के अंतर्गत शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। शिविर का मुख्य उददेश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को सीधे आम जनता तक पहुँचाना और उनकी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत आदरणीय अटल के तैलचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ की गई। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत चयनित 62 हितग्राहियों, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के 5 हिताग्रहियो को स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरण किया तथा 20 हितग्राहियों को नवीन राशन कार्ड वितरित किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहाँ नागरिकों को आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, पेंशन योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी गई। नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने स्वयं उपस्थित होकर नागरिकों के आवेदन प्राप्त किए और संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों एवं मांगों पर अविलंब कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा, अटल का सपना था कि विकास की धारा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सुशासन का अर्थ ही जनता के प्रति जवाबदेही और पारदर्शिता है। इसी भावना के साथ हम इस शिविर के माध्यम से वार्डों और मोहल्लों तक पहुँच रहे हैं। शिविर में नगर पालिका उपाध्यक्ष दिलीप छाबड़िया, भाजपा नेता राकेश तिवारी पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष ओमप्रकाश रात्रे, प्रदेश सदस्य आशीष जयसवाल, जिला पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष महाबल बघेल सभापति दीपा दशरथ साहू, गोविंद पटेल,सतीश तलरेजा तथा पार्षदगण उमाशंकर वर्मा, सुरेश मंधान, सतीश साहू, नरेन्द्र यदु, प्रत्येश राठौर, भुवन सिंह ठाकुर, चन्द्रप्रकाश ध्रुव पार्षदप्रतिनिधि गोवर्धन डहरिया, लिकेश साहू, शुभम ठाकुर, कीर्तन जयसवाल, मनीष पंजवानी मुख्य नगर पालिका अधिकारी जफर खान राजस्व अधिकारी अजय नायडू उपअभियंता विनोद यादव राजस्व उप निरीक्षक देवकुमार बंजारे लेखापाल दीपक मिश्रा, प्रेम साहू, विकास वैष्णव, सुरेन्द्र जांगडे, विपीन शर्मा, आनंद राठौर, हेमलाल रजक, प्रशांत साहू, धनेश साहू, कमल निर्मलकर, राकिब बांठिया तथा निकाय अन्य कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में नगर वासी उपस्थित रहे। उपस्थित नागरिकों ने नगर पालिका की इस पहल की सराहना किया गया एवं अध्यक्ष शर्मा के प्रति कृतज्ञता जाहिर किया गया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com